mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-210 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
01 अगस्त 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

ओवल टेस्ट से पहले

@ पेज 7

मोदी कैबिनेट के किसानों और रेलवे को लेकर 6 बड़े फैसले

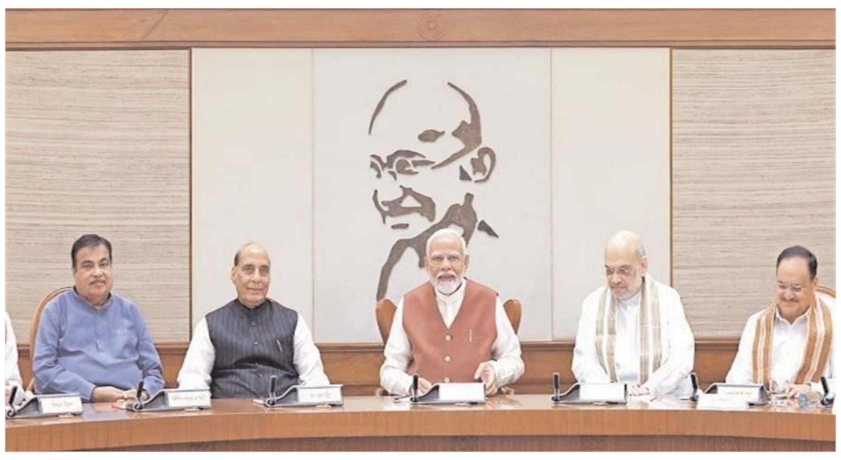

पीएम किसान संपदा योजना को 6520 करोड़ की मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मोदी कैबिनेट ने किसानों और रेलवे से जुड़े छह बड़े फैसले लिए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के फंड में वृद्धि की गई है, जिससे 94 प्रतिशत किसान जुड़े हुए हैं। कैबिनेट ने इसके लिए 2025-26 से 2028-29 तक 2000 करोड़ रुपये की केंद्रीय योजना 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को अनुदान सहायता' को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत वित्तीय आवंटन 6520 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिसमें लैब और ढांचागत सुधार के लिए 1000 करोड़ रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। इस योजना के तहत फूड टेस्टिंग लैब और इरिडिएशन यूनिट स्थापित की जाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 11 सालों में फूड प्रोसेसिंग सेक्टर दोगुना हो चुका है। रेलवे क्षेत्र में भी बड़ी प्रगति हुई है। कैबिनेट ने इटारसी से नागपुर के बीच चौथी रेल लाइन की मंजूरी दी है, जबकि तीसरी लाइन का काम पहले से चल रहा है। इसके अलावा, रेलवे की चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के 13 जिलों को कवर करेंगी और रेलवे नेटवर्क में लगभग 574 किलोमीटर की वृद्धि करेंगी।किसान संपदा योजना के बारे में मंत्री ने बताया कि 2021-22 से 2025-26 तक के लिए इस योजना का कुल बजट अब 6520 करोड़ रुपये हो गया है। इसमें एकीकृत शीत श्रृंखला और मूल्य संवर्धन अवसंरचना के तहत 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों और खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना के तहत मान्यता प्राप्त 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए 1000 करोड़ रुपये की मंजूरी शामिल है। इसके अलावा, विभिन्न घटक योजनाओं के लिए 920 करोड़ रुपये भी आवंटित किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल बोले-ट्रम्प ने सही कहा कि इंडियन इकोनॉमी मर चुकी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लोकसभा के स्थगित होने के बाद मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। इसी दौरान उन्होंने ट्रम्प के बयान पर बात की। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने गुरुवार को कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है।राहुल का यह बयान ट्रम्प के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे फर्क नहीं पड़ता कि रूस और भारत अपनी डेड इकोनॉमी को कैसे संभालते हैं। दरअसल बुधवार को अमेरिकी ने भारत पर 25त्न टैरिफ की घोषणा की। इसके बाद से ही कांग्रेस समेत कई पार्टियों से जुड़े लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

प्रियंका बोलीं- मोदी दोस्त बनाते हैं, बदले में क्या मिला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामले पर विपक्ष ने संसद गेट पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी इसमें शामिल हुईं। संसद मानसून सत्र के 9वें दिन बिहार वोटर वेरिफिकेशन और अमेरिका के टैरिफ लगाने वाले मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। लोकसभा और राज्यसभा 3-3 बार स्थगित हुईं। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को भारत पर 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इसपर विपक्ष ने सदन और संसद के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ पर जो कहा, उसे सबने देखा है। प्रधानमंत्री मोदी हर जगह जाते हैं, दोस्त बनाते हैं और फिर हमें बदले में यही मिलता है। इसके पहले प्रियंका सहित विपक्ष के सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर बिहार मतदाताओं से जुड़े स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर विरोध प्रदर्शन किया। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने गुरुवार सुबह 10 बजे राज्यसभा में विपक्ष के नेता ऑफिस में बैठक की। आगे की रणनीति पर चर्चा की।

मुंबई एयरपोर्ट पर 8 करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई कस्टम डिपार्टमेंट के एविएशन अधिकारियों ने 8 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की है। यह कार्रवाई 29 और 30 जुलाई को हुई। इसमें 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कस्टम ऑफिसर ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आई फ्लाइट नंबर वीजी760 से तीन संदिग्ध पैसेंजर्स को रोका था। इनके सामान की जांच के दौरान 1.990 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) मिला, जिसकी बाजार में करीब 2 करोड़ रुपए की कीमत है।

रायपुर में सरकारी नौकरी का झांसा देकर कंपनी ने कई युवाओं को लगाया चूना

25 लाख रुपये लेकर फरार

रायपुर, (एजेंसी)। राजधानी में सरकारी स्कूल में नौकरी लगाने का झांसा देकर प्लेसमेंट कंपनी ने युवाओं से लाखों रुपये ठग लिए। आरोप है कि कंपनी ने दर्जनभर युवाओं से करीब 25 लाख रुपये लिए और फरार हो गई। पुलिस ने मामले में ठगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, कसडोल निवासी राजू रात्रे नामक युवक ने %आर इंडिया स्कूल वेलफेयर कंपनी' के नाम से फर्जी प्लेसमेंट कंपनी की शुरुआत की थी।

यह कंपनी दिल्ली से रजिस्टर्ड बताई गई है और इसका अस्थायी ऑफिस रायपुर के नगर घड़ी चौक स्थित बिल्डिंग में खोला गया था। यहां युवाओं को सरकारी स्कूलों में नौकरी दिलाने का लालच दिया गया। कंपनी ने प्रत्येक उम्मीदवार से 4-5 लाख रुपये की मांग की। दर्जनों युवाओं ने आरोपित को पैसे

दे दिए, जिसके बदले में उन्हें फर्जी नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

इन नियुक्ति पत्रों के आधार पर कई युवक-युवतियां स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने भी पहुंचे। कुछ ने तो एक माह तक बच्चों को पढ़ाया भी, लेकिन जब एक माह बाद भी वेतन नहीं मिला, तो उन्होंने स्कूल प्रबंधन से संपर्क किया। इस दौरान उन्हें पता चला कि उनकी नियुक्ति फर्जी है। पीड़ित जब कंपनी के ऑफिस पहुंचे तो वहां ताला लटका मिला।

एमपी-राजस्थान में बाढ़ के हालात, 14 जिलों में स्कूल बंद

गाजियाबाद में सोसाइटी का बेसमेंट धंसा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देशभर में भारी बारिश का दौर जारी है। मध्य प्रदेश के भोपाल में पिछले 24 घंटे के दौरान 32.2 मिलीमीटर बारिश हुई। सेना ने बुधवार को गुना, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना समेत कई जिलों से सैकड़ों लोगों को रेस्क्यू किया। शिवपुरी में गुरुवार को सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। उधर, राजस्थान के 13 जिलों में भी आज स्कूल बंद हैं। बुधवार को जयपुर, कोटा, सवाई माधोपुर, टोंक, सीकर, दौसा, भरतपुर, अलवर जिलों के कई इलाकों में 2 से 6 इंच तक बरसात हुई। सवाई माधोपुर के पास एनएच-552 पर बना पुल बह गया। यूपी के गाजियाबाद में रात भर की बारिश में पूरा शहर जलमग्न हो गया। क्रॉसिंग

रिपब्लिक के पास सुशांत एक्वापोलिस सोसाइटी का बेसमेंट करीब 15 फीट धंस गया। बेसमेंट में खड़ी 4 गाड़ियां मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गईं। दूसरी तरफ, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में मुनकटिया के पास बुधवार को लैंडस्लाइड हुई। इससे केदारनाथ जाने वाला पैदल रास्ता बंद हो गया

यात्रा 4 दिन के लिए स्थगित कर दी गई। सड़क के अचानक बंद होने से गौरीकुंड में लगभग 2,500 तीर्थयात्री फंस गए हैं। मौसम विभाग ने गुरुवार को राजस्थान, असम और मेघालय में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, गुजरात सहित 19 राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

मालेगांव ब्लास्ट- साध्वी प्रज्ञा, कर्नल पुरोहित समेत सातों आरोपी बरी

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट केस में एनआईए स्पेशल कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा समेत सातों आरोपियों को बरी कर दिया है। इस केस में 7 मुख्य आरोपी थे। इनमें पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी और सुधाकर धर द्विवेदी शामिल थे। पीड़ितों के वकील शाहिद नवीन अंसारी ने कहा- हम एनआईए कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेंगे। इस मामले में जांच एजेंसियां और सरकार फेल हुई है। मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को धमाका हुआ था। इसमें 6 लोग मारे गए थे और करीब 100 लोग घायल हुए थे। करीब 17 साल बाद आए फैसले में जज एके लाहोटी ने कहा कि जांच एजेंसी आरोप साबित नहीं कर पाई है, ऐसे में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए।

जज लाहोटी ने कहा कि धमाका हुआ था, लेकिन यह साबित नहीं हुआ कि बम मोटरसाइकिल में रखा था। यह भी साबित नहीं हुआ कि मोटरसाइकिल साध्वी प्रज्ञा के नाम थी। यह भी साबित नहीं हो सका कि कर्नल प्रसाद पुरोहित ने बम बनाया।

इस केस का फैसला 8 मई 2025 को वाला था, लेकिन फिर कोर्ट ने इसे 31 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। मालेगांव ब्लास्ट केस की शुरुआती जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की थी।

क्या ट्रंप के आरोपों पर चुप रहेंगे प्रधानमंत्री

मल्लिकार्जुन खड़गे का पीएम मोदी पर तीखा हमला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाए जाने को लेकर बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की "सामरिक स्वायात्तता पर हमला किया गया है और मुख्य विपक्षी दल देश के साथ खड़ा है। उन्होंने यह सवाल भी किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन आरोपों पर चुप रहेंगे जो ट्रंप ने भारत के खिलाफ लगाए हैं?

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कटाक्ष करते हुए कहा, "मोदी सरकार को 'पीआर की चिंता के बजाय, देश की चिंता करनी चाहिए। खड़गे ने 'एक्स पर पोस्ट किया, "युद्धविराम को लेकर ट्रंप के बयानों पर मोदी जी ने संसद में मौन व्रत धारण कर रखा था। अब ट्रंप ने भारत पर जो बेबुनियाद आरोप लगाए

हैं, क्या उसपर भी मोदी चुप रहेंगे ? उन्होंने कहा, "नरेन्द्र मोदी जी, देश सबसे पहले है और हम देश के साथ हैं।

खड़गे ने कहा, "ट्रंप ने हमारे ऊपर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना थोपा है। इससे देश के व्यापार को नुकसान होगा, एमएसएमई और किसान पर भी बुरा असर पड़ेगा। कई उद्योगों को भारी क्षति होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के मंत्री महीनों से अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बात कर रहे हैं तथा कुछ तो कई दिनों तक वाशिंगटन में डेरा डाले बैठे रहे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कटाक्ष किया, "आपके (मोदी) दोस्त नमस्ते ट्रंप और अबकी बार, ट्रंप सरकार ने आपकी दोस्ती का हमारे देश को ये सिला दिया? खरगे के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुल्क की वजह बताई है कि भारत रूस से तेल आयात कर रहा है और हथियार खरीदता है, भारत ब्रिक्स का सदस्य है और ब्रिक्स द्वारा अमेरिकी डॉलर पर हमला किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "यह भारत की सामरिक स्वायत्तता वाली राष्ट्रीय नीति पर कड़ा प्रहार है। इतिहास गवाह है कि गुटनिरपेक्षता हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण नीति रही है। सभी सरकारों ने, चाहे वह किसी भी पार्टी की हो, सभी ने देशहित में दुनिया के देशों से दोस्ती मज़बूत की है।

चुनाव आयोग के कर्मचारी के बेटा-बेटी को जिंदा जलाया

पटना, (एजेंसी)। पटना चुनाव आयोग के कर्मचारी के 2 बच्चों को गुरुवार को जिंदा जला दिया गया। मृतकों की पहचान 14 साल की अंजलि कुमारी और 12 साल के अंशु के रूप में हुई है। घटना के वक्त घर में सिर्फ भाई-बहन थे। बेड पर जली लाशें मिली हैं।

घटना जानीपुर थाना क्षेत्र के नगवां गांव की है। बच्चों के पिता ललन गुप्ता ने बताया कि दोपहर 12 से डेढ़ बजे के बीच यह घटना हुई है। किसी ने दोनों की हत्या की है। इसके बाद बेड पर शव जलाए गए हैं। बच्चों की मां एम्स में सिक्योरिटी गार्ड है। परिवार का ये भी आरोप है कि बच्चों के साथ कुछ गलत करने की कोशिश की गई। विरोध करने पर पहले हत्या की फिर दोनों को जिंदा जला दिया गया बच्चों की लाश मिलने के बाद परिवार गुस्से में हैं। सड़क जाम कर आगजनी की गई है। पुलिस लोगों को समझाने में जुटी है।

हिमाचल सरकार गवर्नर के लिए खरीदेगी 92 लाख की मर्सिडीज

कैबिनेट का फैसला, निकाय चुनाव में ओबीसी को आरक्षण; 18 अगस्त से मानसून सत्र

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल कैबिनेट की मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में गुरुवार को संपन्न मीटिंग में राज्यपाल के लिए 92 लाख रुपए की लागत से नई मर्सिडीज-बेंज गाड़ी खरीदने की मंजूरी प्रदान की गई। कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए इंडस्ट्री मिनिस्टर हर्षवर्धन चौहान ने कहा, राज्यपाल की पुरानी मर्सिडीज को 5 साल से ज्यादा समय हो गया है।

इसे देखते हुए कैबिनेट ने नई गाड़ी खरीदने का निर्णय लिया है। कैबिनेट ने नगर निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए भी आरक्षण देने

की मंजूरी प्रदान की। अब तक निकाय चुनाव में ओबीसी को आरक्षण देने का प्रावधान नहीं था। हर्षवर्धन चौहान ने कहा, प्रदेश में ओबीसी की आबादी लगभग 25 प्रतिशत है। इसे देखते हुए निकाय चुनाव में ओबीसी को भी आरक्षण देने का निर्णय लिया गया। प्रदेश में 73 नगर पंचायत, नगर परिषद और नगर निगम है। इनमें इसी साल चुनाव होने है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब नगर निकाय चुनाव में भी ओबीसी को प्रतिनिधित्व मिल पाएगा। सूत्रों के अनुसार, इलेक्शन कमीशन के आदेशों पर राज्य के लगभग सभी नगर निकाय आरक्षण रोस्टर तय कर चुके थे। मगर, अब ओबीसी को आरक्षण मिलने के बाद नए सिरे से सभी डीसी को यह एक्सरसाइज करनी होगी और आरक्षण रोस्टर बदलना होगा। कैबिनेट मीटिंग में विधानसभा के मानसून सत्र की तारीख तय हो गई है।

रायपुर में फैट्री के वेस्ट मटेरियल से 18 मवेशियों की मौत,

रायपुर, (एजेंसी)। राजधानी रायपुर के ग्राम संकरी में फैक्ट्री से निकले वेस्ट मटेरियल को लेकर सनसनी फैल गई है। फैक्ट्री से निकले अपशिष्ट पदार्थ को खेत किनारे फेंकने से वहां चरने गए मवेशियों की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि इस वेस्ट मटेरियल को खाने से 14 भेड़ और 4 भैंसों की जान चली गई। ग्राम संकरी निवासी रोहित पाल के 14 भेड़ और तिहारू यादव की 3 भैंस खार में मृत अवस्था में मिली हैं। एक अन्य भैंस की भी मौत की पुष्टि हुई है। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ गहरी नाराजगी जताई है।

निर्माणाधीन कार्यों को समय से पूर्ण करें और शीघ्र सेवा प्रदाय करें-उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़े विषयों पर समन्वय और समयबद्धता के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आमजन को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसके लिए निर्माणाधीन कार्यों को समय से पूर्ण करें और इन पूर्ण कार्यों से शीघ्र सेवा प्रदाय की जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने गुरूवार को विभागीय अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन सहित विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों की वृहद समीक्षा की। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी, संचालक प्रोजेक्ट नीरज कुमार सिंह एवं एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन प्रस्तावों की वृहद समीक्षा की। बताया गया कि एनएचएम के 3 विकास के 179, भवन के 81, स्थापना के 72 और अस्पताल प्रशासन के 34 कुल यानि 369 प्रस्तावों में से 198 का परीक्षण किया जा चुका है और इनमें से 113 प्रस्ताव उपयुक्त पाए गए हैं। एसएचसी के 51, पीएचसी के 12, सीएचसी के 9 उन्नयन प्रस्ताव सहित एसएचसी के 37 नवीन प्रस्ताव तथा जिला अस्पताल के 3 प्रस्ताव शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने शेष प्रस्तावों के शीघ्र परीक्षण एवं पात्र प्रस्तावों में अग्रिम कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत प्रक्रियाधीन कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे राशि का समय से उपयोग सुनिश्चित कर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने बांड पोस्टिंग चिकित्सकों की कार्यस्थल में उपलब्धता की जानकारी प्राप्त की और विधिवत सेवा प्रदाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चिकित्सक, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं सहायक चिकित्सक की लोक सेवा आयोग और ईएसबी के माध्यम से की जा रही भर्ती प्रक्रिया की अद्यतन जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अक्टूबर 2025 तक प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समस्त औपचारिकताओं को समय से पूर्ण किया जाये और भर्ती प्रक्रिया की वरिष्ठ अधिकारी सतत निगरानी करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ऐसे चिकित्सकीय संस्थानों जहाँ एमआरआई, सीटी मशीने उपलब्ध हैं परंतु टेक्निशियन के अभाव में संचालन नहीं हो पा रहा है की भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने तक सेवाओं के प्रदाय के लिए आउटसोर्स के माध्यम से टेक्नीशियन की व्यवस्था करने की कार्यवाही की जाये जिससे नागरिकों को सेवाएं शीघ्र प्राप्त हों और उपकरणों का सदुपयोग हो सके।

राज्य स्तर पर मध्यप्रदेश भूलेख पोर्टल जीआईएस 2.0 लॉंच

भोपाल। प्रमुख सचिव, राजस्व विवेक पोरवाल ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में संचालित भूलेख पोर्टल का वर्जन-1 (वेब जीआईएस 1.0) संचालित किया जा रहा था। इसकी गुणवत्ता को बढ़ाते हुए अब वेब जीआईएस 2.0 लांच किया गया है। नये पोर्टल पर लांच किया गया है। एमपी भूलेख पोर्टल राज्य सरकार द्वारा नागरिकों को उनकी भूमि से संबंधित दस्तावेज की जानकारी ऑनलाइन प्रदान करने के लिये विकसित किया गया है। आयुक्त राजस्व अनुभा श्रीवास्तव ने बताया कि राजस्व विभाग ने नवीन पोर्टल 2.0 को पहले नरसिंहपुर और सिवनी जिलों में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में संचालित किया गया था। इसके सफल संचालन के बाद 30 जुलाई, 2025 से राज्य स्तर पर लागू किया गया है। भूलेख के नये वर्जन के आने से नागरिकों को कम समय में अधिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। वेब जीआईएस 2.0 में वेब पोर्टल के साथ-साथ मोबाइल ऐप भी उपलब्ध कराया गया है। अब नागरिक खसरे की प्रमाणित प्रतिलिपि व्हाट्स ऐप के माध्यम से भी प्राप्त कर सकते हैं। नवीन पोर्टल में ओटीपी आधारित ई-केवाईसी सुविधा भी उपलब्ध होगी। नवीन भूलेख पोर्टल पर नागरिक एक ही आवेदन द्वारा अनेक भू-अभिलेखों का चयन कर इन अभिलेखों की प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त कर सकेंगे। राजस्व आयुक्त ने बताया कि वेब जीआईएस 1.0 की मौजूदा कार्य-क्षमता में सुधार के लिये नवीन वर्जन में पुराने सर्वर/स्टोरेज को प्रतिस्थापित कर नवीन तकनीकी सर्वर्स स्थापित किये गये हैं इससे जनता की समस्या का त्वरित निराकरण हो सकेगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्तों की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में इव्हीएम शेयरिंग पर हुई चर्चा

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयुक्तों की स्टैंडिंग कमेटी की वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई बैठक में ईवीएम की पूलिंग/शेयरिंग पर चर्चा हुई। बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, बिहार, झारखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडू, अरूणाचल प्रदेश, दिल्ली एवं सिक्किम के राज्य निर्वाचन आयुक्तों ने भाग लिया। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार श्रीवास्तव ने राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की गई, ईव्हीएम शेयरिंग पॉलिसी तथा अन्य राज्य को किराये पर दी जाने वाली ईव्हीएम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया है कि इस पॉलिसी के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग को 3000 ईव्हीएम किराये पर दी गई है जम्मू-कश्मीर एवं महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग को ईव्हीएम किराये पर दिए जाने के लिए एमओयू किया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग उत्तराखण्ड और गुजरात से भी एमओयू किया जाना है। सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग ने भी इस संबंध में आग्रह किया है।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये एनसीटीई पाठ्यक्रम संचालित करने वाले शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण की समय सारणी जारी की है। जारी समय सारणी के अनुसार, एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश में लिए विद्यार्थी 31 जुलाई से 4 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 31 जुलाई से 6 अगस्त तक होगा। मेरिट सूची का प्रकाशन 7 अगस्त को होगा। विद्यार्थियों के लिए 8 अगस्त को सीट आवंटन जारी किया जाएगा।

आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेजों, टीसी माइग्रेशन के

तकनीकी शिक्षा मंत्री परमार ने की विभागीय समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की। मंत्री परमार ने आईआईटी की तर्ज पर एमपीआईटी की स्थापना के सम्बन्ध में व्यापक चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री परमार ने अनुदान प्राप्त संस्थानों के समय पर ऑडिट किए जाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में कोडिंग लैब्स, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, डिजिटल यूनिवर्सिटी एवं राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। भर्तियां, पदपूर्ति एवं पदोन्नति के सम्बन्ध में भी विमर्श हुआ। परमार ने पॉलीटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में एडमिशन की अद्यतन जानकारी भी प्राप्त की। बैठक में प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा विवेक पोरवाल एवं आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मप्र में साढ़े 4 लाख महिला समूह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र में आजीविका मिशन के तहत 4 लाख 47 हजार 291 स्व सहायता समूह (एसएचजी) हैं। इनसे 58 लाख 29 हजार 972 महिलाओं को रोजगार दिए जाने का दावा है। आंकड़ों के हिसाब से तो यह किसी सपने के सच होने जैसा है। इसी के लिए शिवराज सरकार में मुख्य सचिव रहे इकबाल सिंह बैंस ने मंत्री और प्रमुख सचिव की आपत्ति को दरकिनार करते हुए एलएम बेलवाल को सीईओ (संविदा पर) बना दिया। आरोप लगा कि अधिकार न होने के बावजूद बेलवाल ने 3500 करोड़ के खरीदी टेंडर जारी कर दिए। 5 जिलों भोपाल, सीहोर, राजगढ़, रायसेन और विदिशा के 100 स्व-सहायता समूहों की मौके पर

पड़ताल की। पड़ताल में वहां जमीन पर जो पाया और जो सरकारी दस्तावेज हाथ लगे, वो चौंकाने वाले थे। पता चला कि इन स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने के ?नाम पर जो योजनाएं बनीं, उनमें केवल टेंडर, कमीशन और खरीदी का ही खेल हुआ है। इनसे न रोजगार सृजित हुए और न वे उद्देश्य पूरे हुए जिनके लिए ये बनी थीं। मिशन के तहत अगरबत्ती, साबुन और सैनेटरी पैड निर्माण जैसी योजनाओं के जरिए लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का दावा था, लेकिन सच्चाई इससे उलट है। करोड़ों की लागत से लगाई गई ज्यादातर मशीनें कबाड़ में बदल चुकी हैं। सिलाई केंद्र, अगरबत्ती, पैड निर्माण इकाइयों में महीनों से ताले लटके हैं। ऐसे ही 12.67 करोड़ की लागत से जिन 1408 महिलाओं को पर्यावरण मित्र बनाकर स्कूटी दी गई, उन्हें न ट्रेनिंग मिली और न कोई जिम्मेदारी।

जिन कॉलोनियों में बिल्डर का बिजली नेटवर्क उन्हें नया कनेक्शन और सोलर पैनल लगवाना मुश्किल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर की जिन कॉलोनियों में रहवासियों के घरों में बिल्डर के नेटवर्क की बिजली पहुंच रही है, उन्हें दो बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक तो उन्हें बिजली कंपनी सीधे नए कनेक्शन नहीं दे रही है। दूसरी बड़ी परेशानी यह है कि ये लोग सब्सिडी वाले सोलर पैनल नहीं लगवा पा रहे हैं। ऐसी कुछ कॉलोनियों के उपभोक्ता बेहद परेशान हो रहे हैं। बिजली कंपनी में ऑनलाइन आवेदन करने के बावजूद उन्हें नए कनेक्शन नहीं मिल पा रहे हैं। इस परेशानी की खास वजह यह है कि शहर की ऐसी 70

कॉलोनियां हैं जिनके करीब 77 हजार रहवासी बिजली कंपनी के उपभोक्ता ही नहीं हैं। यहां के बिल्डर ही बिजली कंपनी के कंज्यूमर हैं। जब तक ये रहवासी बिजली कंपनी के उपभोक्ता नहीं बनेंगे, तब तक उन्हें ये दो सुविधाएं नहीं मिल पाएंगी। एक कॉलोनी के रहवासियों के साथ सबसे बड़ी परेशानी यह है कि इन्हें आम उपभोक्ताओं की तुलना में लगभग ?2 से लेकर ढाई रुपए प्रति यूनिट बिजली महंगी पड़ती है। आम उपभोक्ताओं को बिजली खपत के अलावा सभी चार्ज मिलाकर 7.45 रुपए प्रति यूनिट देने पड़ते हैं। ऐसी कई कॉलोनियों के उपभोक्ताओं को 9.45 से लेकर 10.25 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। जब यह सब हो जाएगा तब कहलाएंगे यह बिजली कंपनी के उपभोक्ता- जब तक बिजली कंपनी ऐसी किसी कॉलोनी के किसी उपभोक्ता के यहां अपने नेटवर्क के जरिए अपने मीटर लगा देगी, तब ही वे बिजली कंपनी के कंज्यूमर होंगे। इस मामले में बिजली कंपनी का उपभोक्ता वह बिल्डर होगा जिसने बिजली कंपनी से सीधे कनेक्शन लिया है। बिजली कंपनी द्वारा 33 केवी क्षमता की बिजली लाइन से कॉलोनी में सिंगल प्वाइंट एचटी कनेक्शन तक सप्लाई दी जाती है।

लोन व किराया देते थक चुके, बिना पजेशन ही रहने लगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगर निगम ने जब हाउसिंग फॉर ऑल स्कीम के तहत अपने प्रोजेक्ट शुरू किए तो लोगों ने इसे हाथोहाथ लिया। बैंक से लोन लेकर बुकिंग भी करा ली। लेकिन, नगर निगम न तो एक भी प्रोजेक्ट पूरा कर पाया न ही इन्हें समय पर पजेशन दे पाया। पिछले कुछ सालों में मकान का किराया और लोन की किस्त दोनों चुकाते-चुकाते लोगों की उम्मीद पूरी तरह टूट चुकी है। स्थिति यह है कि कुछ तो बिना पजेशन ही जबरन मकान में रहने लगे हैं। सारी आय इसमें जा रही- लहारपुर में चाय-नाश्ते का होटल चलाने वाले नितेश देवहरे ने बताया कि साल 2021 में 7 लाख रुपए का लोन लेकर

बागमुगालिया में ईडब्लयूएस फ्लैट लिया था। तभी से 7 हजार रुपए बैंक की किस्त और 5 हजार रुपए मकान का किराया दे रहा हूं। जो कमाता हूं, सब इसमें चला जाता है। अब तो शह है कि मरने के बाद भी फ्लैट मिलेगा या नहीं। हारकर फ्लैट में डेरा डाला- बागमुगालिया निवासी राजेश पगारे प्राइवेट जॉब करते हैं। उन्होंने 2019 में शुरू हुए बागमुगालिया प्रोजेक्ट में 22 लाख रु. में फ्लैट लिया था। दिसंबर 2022 तक पजेशन देने की बात थी, अब तक नहीं मिला। उन्होंने बताया, हर माह 18 हजार बैंक की किस्त और 10 हजार रुपए मकान किराया देते-देते थक चुका था तो बिना पजेशन ही रहने लगा हूं। अस्थायी बिजली मीटर लगाया है। बागमुगालिया में रहने वाले विनय मिश्रा प्राइवेट जॉब करते हैं। उन्होंने भी नितेश की तरह साढ़े 7 लाख रुपए का ईडब्ल्यूएस फ्लैट लिया था। बैंक से लोन लिया था। विनय बताते हैं, लोन और किराया भरते-भरते थक चुका हूं।

जीएमसी में पहली बार इस तरह का किडनी ट्रांस्प्लांट सफल... मिला नया जीवन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के हमीदिया अस्पताल में पहली बार एबीओ-इनकम्पेटिबल (बेमेल ब्लड ग्रुप वाला) किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया गया। अभी तक यह सुविधा सिर्फ निजी अस्पतालों में ही थी लेकिन हमीदिया में पहली बार इस तरह का ट्रांसप्लांट किया गया। नीमच निवासी मनुज कुमार (43) पिछले छह महीनों से डायलिसिस पर थे। उनकी पत्नी कमला ही एकमात्र डोनर थीं, लेकिन उनका ब्लड ग्रुप बी और पति का ओ होने से सामान्य तौर पर यह ट्रांसप्लांट संभव नहीं था। लेकिन डॉक्टरों ने

जोखिम उठाया और तकनीक के जरिये ट्रांसप्लांट किया। इस कारण मनुज को नई जिंदगी मिली। ट्रांसप्लांट टीम ने मरीज के खून से एंटी-बी एंटीबॉडीज हटाने के लिए प्लाज्मा फेरेसिस तकनीक का इस्तेमाल किया। इसके साथ ही इम्यून सप्रेसन थेरेपी दी गई, ताकि शरीर नई किडनी को रिजेक्ट न करे। ऑपरेशन से पहले 15 दिन तक मरीज को भर्ती रखकर कड़ी निगरानी में यह ट्रीटमेंट जारी रहा। इसके बाद 30 जुलाई को सफल ट्रांसप्लांट किया गया।

सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क हुई। डॉक्टर्स का कहना है कि एबीओ-इनकम्पेटिबल ट्रांसप्लांट में संक्रमण का खतरा सामान्य से कहीं अधिक होता है। इसलिए ऑपरेशन के दौरान और बाद में एंटीबॉडी स्तर पर लगातार कड़ी नजर रखनी पड़ती है। इस तकनीक से शरीर को न केवल सर्जरी के समय बल्कि लंबे समय तक नई किडनी को स्वीकार करने लायक बनाया जाता है।

अब हर गरीब मरीज को मिलेगा जीवनदान: प्रदेश में हर माह ऐसे 15 केस आते हैं, जहां परिवार में डोनर तो होता है लेकिन ब्लड ग्रुप अलग होने से ट्रांसप्लांट संभव नहीं हो पाता। अब हमीदिया जैसे सरकारी संस्थान में यह सुविधा उपलब्ध होगी।

लाडली बहनों के नाम पर छपे 70 लाख कैलेंडर नहीं बांटे, भुगतान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र में लाडली बहनों के नाम पर छपवाए गए कैलेंडर में बड़ा घोटाला सामने आया है। प्रदेश में करीब डेढ़ करोड़ कैलेंडर शिवराज सरकार के समय विधानसभा चुनाव से पहले छपवाए गए थे। इनमें से 70 लाख से अधिक कैलेंडर जिलों में बांटे ही नहीं गए। लेकिन इनके बिल लगाए गए और भुगतान हो गया। मामला तब खुला जब बालाघाट की विधायक अनुभा मुंजारे ने विधानसभा में कैलेंडर से संबंधित प्रश्न पूछा। उन्होंने बालाघाट को लेकर सवाल किया था कि उनके जिले के लिए जो कैलेंडर छपकर आए थे, उनका वितरण नहीं हुआ और भुगतान हो गया।

इसके जवाब में विभागीय मंत्री निर्मला भूरिया ने स्वीकार किया कि बालाघाट में 3 लाख 61 हजार 832 कैलेंडर में से 1.64 लाख कैलेंडर नहीं बांटे जा सके। इसकी जांच की जा रही है और कार्रवाई की जाएगी। मामला विस में आने के बाद पता किया तो लगभग हर जिले में यही हालात मिले। तब 52 जिलों के हिसाब से करीब डेढ़ करोड़ कैलेंडर 6.27 रुपए प्रति नग के हिसाब से छपवाए गए थे।

स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए अतिरिक्त सीएलसी चरण

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 के लिए महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए अतिरिक्त सीएलसी चरण के लिए समय सारणी जारी की है। जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में और मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी, 31 जुलाई से 3 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 31 जुलाई से 4 अगस्त तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 5 अगस्त को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर पात्रता की प्रविष्टि 6 से 7 अगस्त तक होगी। विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 8 अगस्त को होगा। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 8 से 14 अगस्त तक किया जा सकेगा।

बहन ने 10000 की सुपारी देकर कराई भाई की हत्या

शराब पीकर करता था मारपीट, इसलिए दो परिचितों से कराई वारदात

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली। जिले के लांघाढोल थाना क्षेत्र में 12 जुलाई को बोरी में बंद मिले शव की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। यह हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि मृतक की सगी बहन ने ही 10 हजार रुपए की सुपारी देकर कराई थी। पुलिस ने मामले में मृतक की बहन समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

लांघाढोल थाना प्रभारी पुष्पेंद्र धुर्वे ने बताया कि ताल गांव में गोपद नदी के किनारे एक शव मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि मृतक की गला दबाकर हत्या की गई थी। इसके बाद पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए पड़ोसी राज्यों छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में भी फोटो सर्कुलेट की।

भाई ने जताया था बहन पर शक: काफी मशक्कत के बाद शव की पहचान छत्तीसगढ़ के मुक्रिल गांव निवासी लाल बहादुर सिंह (35 वर्ष) के रूप में हुई। मृतक के भाई शिवप्रसाद ने हत्या का शक अपनी बहन फूलमती सिंह पर जताया। पुलिस ने जब फूलमती से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। फूलमती ने बताया कि उसका भाई लाल बहादुर शराब पीकर अकसर उससे और उसकी मां के साथ मारपीट करता था। इससे तंग आकर उसने अपने परिचित शिव कैलाश सिंह और भूपत सिंह को 10 हजार रुपए देकर भाई की हत्या की सुपारी दी।

तीनों आरोपी गिरफ्तार: 8 जुलाई को जब लाल बहादुर शराब के नशे में धुत था, तब शिव कैलाश और भूपत सिंह ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। रात में शव को बोरी में भरकर गोपद नदी में बहा दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मुड़ना नदी से रोक के बावजूद निकाली जा रही रेत, नाबालिग बच्चों से करवा रहे काम

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के सोहागपुर जनपद के ग्राम पंचायत कल्याणपुर की सीमा में बहने वाली मुड़ना नदी का कोयलारी घाट पर अवैध रेत उत्खनन हो रहा है। बारिश के मौसम में खनन पूर्णतः प्रतिबंधित होने के बावजूद यहां खुलेआम रेत निकाली जा रही है। इस अवैध कार्य में स्थानीय नाबालिग बच्चों और ग्रामीणों को मामूली पैसों का लालच देकर शामिल किया जा रहा है। सुनियोजित तरीके से ग्रामीण युवाओं और किशोरों को बहला-फुसलाकर अवैध रेत उत्खनन का काम कराया जा रहा है।

रोक के बावजूद हो रहा रेत का खननः नदी से निकाली गई रेत को ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर भेजा जा रहा है। मानसून सीजन में खनिज विभाग ने सभी प्रकार के उत्खनन पर रोक लगाई है। यह नदी की प्राकृतिक धारा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है। फिर भी कोयलारी घाट पर बिना किसी अनुमति या पर्यावरणीय मंजूरी के रेत निकाली जा रही है। इससे नदी के स्वरूप को नुकसान पहुंच रहा है और भारी बारिश के दौरान जलप्रवाह की दिशा बदलने का खतरा भी बढ़ गया है।

स्थानीय प्रशासन ने नहीं की कार्रवाईः रेत उत्खनन का यह पूरा मामला राजस्व विभाग, खनिज विभाग और स्थानीय पुलिस की जानकारी में है। लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। यह स्थिति या तो जिम्मेदार विभागों की मिलीभगत या उनकी लापरवाही को दर्शाती है।

नाबालिग बच्चों से कराया जा रहा कामः सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस अवैध कारोबार में स्कूली उम्र के नाबालिग बच्चों को शामिल किया जा रहा है। उन्हें प्रतिदिन 100-200 रुपए देकर रेत निकालने के काम में लगाया गया है।

आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान ने मझगवां नगर को दी अनूठी सौगात, डीप फ्रीजर की सुविधा से बड़ी समस्या का समाधान

मीडिया ऑडीटर, मझगवां (निप्र)। जनहित में सेवा कार्यों को निरंतर गति देते हुए आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान ने मझगवां नगरवासियों को एक महत्वपूर्ण सौगात प्रदान की है। नगर में जनभागीदारी से डीप फ्रीजर की व्यवस्था करवाई गई है, जिसका लोकार्पण संस्था द्वारा बड़े ही सादगीपूर्ण एवं सामाजिक भावना के साथ किया गया। गौरतलब है कि मझगवां नगर में अब तक डीप फ्रीजर की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण किसी भी आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में शव को सुरक्षित रखने के लिए नगरवासियों को सतना अथवा अन्य स्थानों से डीप फ्रीजर मंगवाना पड़ता था। इस समस्या को देखते हुए आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान ने नगर की इस महती आवश्यकता को समझते हुए इस दिशा में ठोस पहल की और नगर को यह महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध कराई डीप फ्रीजर के लोकार्पण समारोह में संस्था प्रमुख आशुतोष द्विवेदी के साथ-साथ नगर के वरिष्ठ व्यवसायी अनिल अग्रवाल, मनोज गर्ग, उनकी पूरी टीम को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया अब मझगवां नगरवासियों को आकस्मिक परिस्थिति में शव सुरक्षित रखने के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

बेटा रोया तो वार्डन ने छात्रा को जड़े थप्पड़

छात्रा बेहोश, अस्पताल में दो घंटे बाद आया होश, कस्तूरबा गांधी छात्रावास की घटना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के अमिलिया स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास की वार्डन ने 12वीं की एक छात्रा को इतना पीटा कि वह बेहोश हो गई। आरोप है कि वार्डन उर्मिला पटेल ने पुरानी नाराज़गी का गुस्सा निकालते हुए छात्रा अंजू प्रजापति के साथ मारपीट की।

घटना गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे की है। बताया जा रहा है कि वार्डन का दो साल का बेटा परिसर में खेल रहा था, जिसे अंजू ने प्यार से गोद में लेकर उसके गाल पर हाथ फेरा। बच्चा रोने लगा। इस बात पर वार्डन उर्मिला पटेल भड़क गईं। उन्होंने बिना कुछ पूछताछ किए अंजू पर

थप्पड़ों की बरसात कर दी।

खराब खाने की शिकायतें बनी वजहः घटना के बाद छात्रावास में हड़कंप मच गया। अन्य छात्राओं और एक शिक्षक की मदद से अंजू को तुरंत अमिलिया अस्पताल ले जाया गया, जहां करीब दो घंटे बाद उसे होश आया। अब उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि वार्डन पहले से ही छात्राओं से नाराज़ चल रही थी। दरअसल, छात्राओं ने कई बार खराब भोजन की शिकायत की थी, जिसमें केवल दाल, चावल और एक ही तरह की सब्ज़ी (आलू) दिए जाने की बात कही गई थी। इन शिकायतों के कारण वार्डन और छात्राओं के बीच तनातनी चल रही थी। इसी का गुस्सा उन्होंने अंजू पर उतार दिया।

प्रशासन पर सवालः छात्राओं ने बताया कि उन्होंने पहले भी वार्डन के बुरे बर्ताव की शिकायत की थी, लेकिन प्राचार्य या किसी भी अन्य अधिकारी ने उनकी बात नहीं सुनी। इस घटना से छात्रावास की अन्य छात्राओं में भी भय और आक्रोश है। इस घटना ने एक बार फिर छात्रावासों में छात्राओं की सुरक्षा और वहां के माहौल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नगर सैनिक सुरेंद्र तिवारी को दी गई सम्मानपूर्वक विदाई

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। एसडीओपी मऊगंज सचिव पाठक ने अपने व्यवहार और नेतृत्व में एक और संवेदनशील पहल जोड़ते हुए एसडीओपी कार्यालय में पदस्थ नगर सैनिक क्रमांक 165 सुरेंद्र तिवारी को सेवा निवृत्ति के अवसर पर भावभीनी विदाई दी। 30 जुलाई को आयोजित इस गरिमामय समारोह में तिवारी को शाल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

पिछले चार वर्षों से मऊगंज में सेवाएं दे रहे सुरेंद्र तिवारी की कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समर्पण की प्रशंसा करते हुए एसडीओपी सचि पाठक ने कहा कि तिवारी जैसे कर्मठ और अनुशासित सैनिक विभाग की असली ताकत होते हैं। उन्होंने कहा कि तिवारी जी का शांत, व्यवहारिक और जिम्मेदार व्यक्तित्व पूरे कार्यालय के लिए एक मिसाल रहा है।

इस अवसर पर पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे। सभी ने सुरेंद्र तिवारी को शुभकामनाएं देते हुए उनके भविष्य के सुखद और स्वस्थ जीवन की कामना की। इस भावुक क्षण में तिवारी ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए एसडीओपी सहित पूरे स्टाफ का आभार जताया।

एसडीओपी सचि पाठक की इस पहल ने न केवल मानवीय संवेदनाओं का आदर्श प्रस्तुत किया बल्कि यह भी सिद्ध किया कि नेतृत्व में जब संवेदनशीलता और सम्मान जुड़ते हैं, तो वह पूरे विभागीय वातावरण को सकारात्मक दिशा में ले जाता है। उनकी कार्यशैली न केवल अधिकारियों के बीच, बल्कि आम जन में भी सम्मान और प्रेरणा का कारण बनती जा रही है।

अनियंत्रित होकर नहर में गिरा ऑटो, युवक की मौत

रक्षाबंधन पर बहन को सीधा से ले जाने आया था, बाणसागर नहर में डूबा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के घटोखर गांव में एक ऑटो अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे की है। दरअसल, दीपक तिवारी (30) ऑटो से सफर कर रहा था। इसी दौरान उसका वाहन अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा। रीवा जिले के गुढ़ से युवक अपनी बहन को रक्षाबंधन के मौके पर ले जाने आया था।

बाणसागर नहर में पलटी ऑटोः ऑटो सीधे बाणसागर नहर में पलट गई। पानी अधिक होने के कारण युवक डूब गया। प्रत्यक्षदर्शी राम सुमिरन द्विवेदी ने बताया कि नहर पार कर ही बाहर से

आने-जाने का रास्ता है। बारिश के चलते रास्ता बेहद खराब हो गया था। यही वजह रही कि ऑटो का संतुलन बिगड़ा। वह सीधे पानी से भरी नहर में जा गिरी।

4 घंटे के रेस्क्यू के बाद निकला गया शवः दीपक को सिर में गहरी चोट भी आई। इससे वह बेहोश हो गया और बाहर निकल नहीं सका। सूचना मिलते ही रामपुर नैकिन थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने अपनी टीम मौके पर भेजी। रेस्क्यू के लिए बाणसागर नहर विभाग से संपर्क कर पानी की निकासी बंद करवाई गई। पानी का स्तर घटने के बाद शाम करीब 4 बजे शव और ऑटो को बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रामपुर नैकिन अस्पताल भेजा है। मामले की जांच की जा रही है।

जिले में औसत वर्षा 844.8 मि.मी. दर्ज

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 31 जुलाई को सीधी जिले में 3.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट 5.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 9.2 मि.मी., मझौली में 8.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 841.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 31 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 947.4 मि.मी. दर्ज की गई है।

अजय सिंह राहुल की अगुवाई में होगा बढौरानाथ का अभिषेक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पवित्र श्रावण मास के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ बढौरानाथ धाम में शिव जी का अभिषेक किया जाएगा। यह अभिषेक पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधायक चुरहट अजय सिंह राहुल भैया के अगुआई में चुरहट परिवार के आयोजकत्व में हो रहा है। जिसमें जिले भर के कार्यकर्ता एवं शिवभक्त आज भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर होकर झूमते गाते बढ़ौरा नाथ स्वामी के दरबार में पहुंचेंगे जहां भोलेनाथ का अभिषेक होगा इसके उपरांत भक्तजन श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था रहेगी। इस अवसर पर कोलदहा घाट से सोनभद्र का पवित्र जल संग्रह कर भक्तगण पदयात्रा कर बढौरानाथ धाम पहुंचेंगे। कांग्रेस परिवार ने सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं एवं भक्तजनों से विनम्र अपील की है कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में कोलदहा घाट पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की जलाभिषेक यात्रा में सहभागी हों।

जल संरक्षण पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों ने दिखाई उत्साहपूर्ण भागीदारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की पीआईयू रीवा के अंतर्गत नगर परिषद रामपुर नैकिन स्थित सीएम राइज स्कूल में एशियाई विकास बैंक द्वारा सहायता प्राप्त मध्यप्रदेश शहरी जल आपूर्ति एवं पर्यावरण सुधार परियोजना के अंतर्गत एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों को जल संरक्षण के महत्व, अशुद्ध जल से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान, और जलावर्धन योजना के बारे में रोचक व संवादात्मक तरीके से जानकारी दी गई। बच्चों ने जल से जुड़ी अपनी जिज्ञासाएं खुलकर साझा कीं, जिनका समाधान विशेषज्ञों द्वारा सरल भाषा में किया गया।

कार्यक्रम में जल संरक्षण के उपायों पर चर्चा की गई, साथ ही जल कनेक्शन की प्रक्रिया को भी विस्तारपूर्वक समझाया गया। जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक क्विज़ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विजयी छात्रों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। अंत में

सभी छात्रों ने जल संरक्षण की शपथ ली। इस जागरूकता अभियान में 400 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। स्कूल प्रबंधन द्वारा इस आयोजन में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का सफल समन्वय सीडीओ शैलेश कुमार तिवारी द्वारा किया गया। उनके साथ सोशल सेफगार्ड प्रोफेशनल रेखा सिंह, सब इंजीनियर, फील्ड इंजीनियर, संविदाकार प्रतिनिधि, और ईएचएस पर्यवेक्षक सहित अन्य

टीम सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

जिला आपूर्ति अधिकारी को सेवा निवृत्त होने पर दी गई भावभीनी विदाई

कलेक्टर ने शाल एवं श्री फल से किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला आपूर्ति अधिकारी नागेंद्र सिंह के अर्धवार्षिकी सेवानिवृत्त की आयु पूर्ण होने से 31 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा शाल और श्रीफल भेंट कर सिंह को सम्मानित किया गया।

कलेक्टर द्वारा जिला आपूर्ति अधिकारी सिंह की कार्य कुशलता एवं प्रशासनिक क्षमता की सराहना करते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली, उज्ज्वला गैस योजना के सफल क्रियान्वयन, रबी एवं खरीफ उपार्जन, सी.एम.हेल्पलाइन के निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को याद करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएं दी गई। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सिंह द्वारा उनके शासकीय सेवा में रहते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

उल्लेखनीय है कि जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सिंह की शासकीय सेवा यात्रा 02 जनवरी 1989 में खाद्य निरीक्षक के पद पर जबलपुर से प्रारंभ कर सतना, कटनी जिले में कार्य किया। उनकी पदोन्नति अगस्त 2015 में जिला आपूर्ति अधिकारी के पद पर हुई। अपने 36 वर्ष से अधिक के कार्यकाल में आपने जिला आपूर्ति अधिकारी सतना एवं सीधी के रूप में सेवाएं दी हैं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अंशुमन राज, डिप्टी कलेक्टर एस पी मिश्रा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी राजेश सिंह, संदीप तिवारी, आर एम शुक्ल, अभिषेक सनोडिया, पारिवारिक सदस्य सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

ट्रंप का टैरिफ, पेनल्टी हमला और पाकिस्तान से तेल खरीदने की नसीहत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार भारत पर टैरिफ और पेनल्टी अर्थात जुर्माने का हमला कर ही दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप यह भूल गए कि भारतीयों ने उनके देश के विकास में कितनी अहम और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ट्रंप ने भारत पर सिर्फ 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की ही घोषणा नहीं की है बल्कि भारत की लॉन्ग टर्म ट्रेड प्रैक्टिस और वैश्विक नीति पर सवाल उठाने की कोशिश की है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत द्वारा रूस से हथियार और तेल खरीदने का जिक्र करते हुए भारत पर पेनल्टी के रूप में अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी घोषणा की है। भारत का ब्रिक्स संगठन का महत्वपूर्ण देश होना भी अमेरिका को खटक रहा है।भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश और भारतीयों के महत्व को किनारे करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर बताया कि यह टैरिफ एक अगस्त से लागू होगा। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा घोषित 25 प्रतिशत टैरिफ पहले घोषित 10 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त होगा या उसी में समाहित होगा। क्योंकि ट्रंप ने इससे पहले 2 अप्रैल को भारत सहित कई देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी थी,जिसे पहले 90 दिनों तक और फिर बाद में एक अगस्त तक के लिए टाल दिया गया था। ट्रंप ने टैरिफ का यह ऐलान एकतरफा तरीके से करके अपने इरादों को जाहिर कर दिया है। जबकि टैरिफ और व्यापारिक रिश्तों पर भारत और अमेरिका के अधिकारी पिछले कई महीनों से चर्चा कर रहे हैं और छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी दल के 25 अगस्त को भारत आने का कार्यक्रम पहले ही तय हो चुका है।

भारत सरकार ने ट्रंप के इस टैरिफ वॉर पर फिलहाल संतुलित प्रतिक्रिया ही दी है। भारत सरकार के वाणिज्?य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को बयान जारी कर कहा, सरकार ने द्विपक्षीय व्यापार के विषय पर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान का संज्ञान लिया है। सरकार इसके संभावित प्रभावों का अध्ययन कर रही है। भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। हम इस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत के बयान में आगे कहा गया है, सरकार भारत के किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के कल्याण और हितों को सर्वोच्च महत्व देती है। राष्ट्रहित में सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी, जैसा कि हाल ही में ब्रिटेन के साथ हुए समझौते सहित अन्य व्यापार समझौतों में किया गया है। भारत की इस संतुलित प्रतिक्रिया को कूटनीतिक और वैश्विक रिश्तों के लिहाज से भले ही महत्वपूर्ण माना जा रहा हो लेकिन ट्रंप के रुख को देखते हुए भारत पर उसी भाषा में जवाब देने का दबाव भी बढ़ता ही जा रहा है। क्योंकि भारत पर टैरिफ और जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ मिलकर तेल के एक बड़े भंडार को विकसित करने की भी घोषणा कर दी है। इतना ही नहीं ट्रंप ने इशारों-इशारों में यह कहने की भी कोशिश की है कि आने वाले समय में भारत पाकिस्तान से तेल खरीद सकता है। वर्ष 2030 तक भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने के लिए हो रही बातचीत के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति के ये दोनों ऐलान काफी चौंकाने वाले हैं और उनके इरादों को स्पष्ट भी करते हैं। ट्रंप को यह बखूबी पता है कि व्यापारिक रिश्ते अपनी जगह है लेकिन भारत दुनिया के किसी भी अन्य देश को अपनी विदेश नीति तय करने का अधिकार नहीं दे सकता है।

एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचन एक बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

भारत जैसे युवाओं वाले और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश में तकनीकी विकास के प्रति उत्साह हमेशा गहरा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकें समाज, राष्ट्र और अर्थव्यवस्था में तीव्र बदलाव की सारथि बनी हैं। हर वर्ग और क्षेत्र ने इस परिवर्तन को आशा एवं सकारात्मकता के साथ अपनाया है, इस उमीद में कि तकनीकी तरक्की के साथ रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे। लेकिन हाल ही में आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ने इस उमीद पर पानी फेर दिया और इसे बड़ा झटका दिया है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। छंटनी बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुय कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। यह संया कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत है, और मुयतः मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी।

एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30,000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यत: डेवलपर्स को एक वर्ष लगता। इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है। भारत में एआई का प्रसार अभी अमेरिका या यूरोप की तुलना में सीमित है, लेकिन इसकी गति तीव्र है। देश के स्टार्टअप और आईटी क्षेत्र में छंटनियों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वर्ष 2025 के शुरुआती पांच महीनों में भारत में 3600 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया, जिसमें एआई आधारित लागत नियंत्रण एक प्रमुख कारण रहा। यह स्पष्ट करता है कि एआई के कारण दोहराव वाले कार्यों की उपयोगिता घट रही है और उनकी जगह स्मार्ट तकनीक ले रही है। मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, अनेक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाले बनकर उभर रहे हैं कि क्या यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? एआई युग में नौकरी की अनिश्चितता क्या तकनीक विकास के नाम पर विस्थापन नहीं है? छंटनी की चपेट में युवाओं का भविष्य क्या तकनीकी प्रगति के नाम पर मानव श्रम पर आघात नहीं है? क्या स्मार्ट मशीनें के दौर में भारत में रोजगार को नई चुनौती और इंसानों को हताशा में धकेलना नहीं है? एआई का विस्तार यानी नौकरी का संकुचन क्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी की घड़ी बन रहा है?

इन प्रश्नों के परिप्रेक्ष्य में देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैंन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा।

टीसीएस का दावा है कि छंटनी का निर्णय भविष्य की जरूरतों के अनुसार संगठन को ढालने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का ध्यान एआई में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहक अनुभव सुधार और कार्यबल मॉडल के पुनर्गठन पर केंद्रित है। हालांकि, यह तर्क उन हजारों कर्मचारियों की व्यथा को शांत नहीं कर सकता जिनकी आजीविका पर इसका सीधा प्रहार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कंपनी के भीतर बल्कि समूचे आईटी क्षेत्र में आशंका, आक्रोश एवं अनिश्चितता का माहौल बन गया है। खासकर युवाओं और आईटी की पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों के लिए यह एक मानसिक झटका है। तकनीकी शिक्षा में दाखिले बढ़ रहे हैं, लेकिन रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। यह असंतुलन देश की सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई के कारण जोखिम में हैं। भारत में अनुमान है कि 2025 तक 12-18 मिलियन नौकरियां एआई आधारित ऑटोमेशन के चलते प्रभावित हो सकती हैं, विशेषकर आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में। एटेमबर्ग के संस्थापक के अनुसार, भारत में 40-50 प्रतिशत व्हाइट कॉलर नौकरियां एआइ से प्रभावित होने के कगार पर हैं, जिससे देश के मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिरता को गहरा झटका लग सकता है। टीसीएस की छंटनी ने बेरोजगारी के दौर में बड़ी हलचल मचाई है, हालांकि आईटी और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले बढ़े हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख कौशल की कमी है। यह असंगति ही भविष्य में अधिक छंटनियों का कारण बन सकती है। एआई हर भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करेगा। जहां दोहराव और विश्लेषण की आवश्यकता है, वहां एआई प्रभावी होगा, लेकिन रचनात्मकता, सहानुभूति और निर्णय क्षमता जैसे गुणों में मानव की भूमिका बनी रहेगी। डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार जैसे पेशों में एआईएक सहयोगी के रूप में कार्य करेगा, प्रतिस्थापन के रूप में नहीं। मेटा के प्रमुख एआई वैज्ञानिक यान लेकुन के अनुसार, 'एआई अधिकतर कार्यों का केवल एक हिस्सा ही कर सकता है, वह भी पूरी तरह परिपूर्ण नहीं। मानव श्रमिकों का सीधा प्रतिस्थापन संभव नहीं है।'

निश्चित तौर पर एआई और तकनीकी बदलाव अपरिहार्य हैं। सवाल यह है कि हम इसके लिए कितने तैयार हैं? इसके लिए तीन प्रमुख कदम जरूरी हैं, पहला पुन:कौशल और सतत शिक्षा यानी कार्यबल को भविष्य के अनुरूप प्रशिक्षित करना होगा। डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, एआई एथिक्स, सॉफ्ट स्किल्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण अनिवार्य बनाना होगा। दूसरा नीतिगत समर्थन यानी सरकार को एआई नीति, डिजिटल समावेशन और श्रमिक सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने होंगे। रोजगार खोने वालों के लिए पुनर्वास योजनाएं और स्किल अपडेट कार्यक्रम आवश्यक हैं। तीसरा सांस्कृतिक और सामाजिक समायोजन यानी एआई को केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इसे अपनाने में पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाना होगा। तकनीकी बदलाव नई संभावनाएं लेकर आते हैं, लेकिन वे अनायास ही चुनौतियां भी खड़ी करते हैं। टीसीएस की छंटनी से जो संदेश मिलता है वह यही है कि एआई युग में केवल वही टिकेगा जो परिवर्तनशील रहेगा।

हिंसक भाषा बोध के बीच भाषायी सहिष्णुता की अपील

उमेश चतुर्वेदी

आमची मराठी बोध को लेकर जारी सियासी खींचतान के बीच आए राज्यपाल के बयान को लेकर विवाद नहीं होता तो ही आश्चर्य होता। मराठी स्वाभिमान के बहाने हिंदीभाषियों से हिंसा का समर्थक रही महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे हो या फिर शिवसेना-उद्धव ठाकरे, दोनों के नेता राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के विरोध में उतर आए हैं। शिवसेना-उद्धव के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा है कि मराठी महाराष्ट्र में नहीं बोली जाएगी तो क्या भूटान में बोली जाएगी। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने कहा है कि राज्यपाल को मराठी स्वाभिमान और मराठी भाषा के अपमान में अंतर समझना चाहिए।

सीपी राधाकृष्णन भले ही तमिलभाषी हों, लेकिन मराठी गौरवबोध के बहाने जारी भाषा विवाद में हस्तक्षेप करके उन्होंने एक तरह से अपने दायित्वबोध को ही जाहिर किया है। तमिलनाडु के कोयंबटूर से दो बार लोकसभा सदस्य रहे राधाकृष्णन आपसी बातचीत में मानतेरहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय व्याप्ति के लिए हिंदी का सहयोग जरूरी है। इन पंक्तियों के लेखक से कई बार उन्होंने हिंदी सिखाने की अपील की है। यह बात और है कि हिंदी के कुछ शब्दों के अलावा कुछ ज्यादा नहीं सीख पाए। तमिलनाडु के राजनीतिक हलकों में उन्हें तमिल मोदी कहा जाता रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हिंदी के कटु विरोध के लिए जानी जाती रही है। 1968 में तमिलनाडु में हिंदी को राजभाषा बनाने के खिलाफ हिंसक आंदोलन हो चुका है। राधाकृष्णन ने उस आंदोलन की हिंसक तपिश को महसूस किया है। इसके बावजूद हिंदी सीखना उनकी चाहत रही है। हिंदी विरोध की आंच में पली-बढ़ी तमिलनाडु की एक पूरी पीढ़ी आपसी बातचीत में मानती है कि उसने क्या खोया है। वह पीढ़ी अब प्रौढ़ावस्था के उतरार्ध

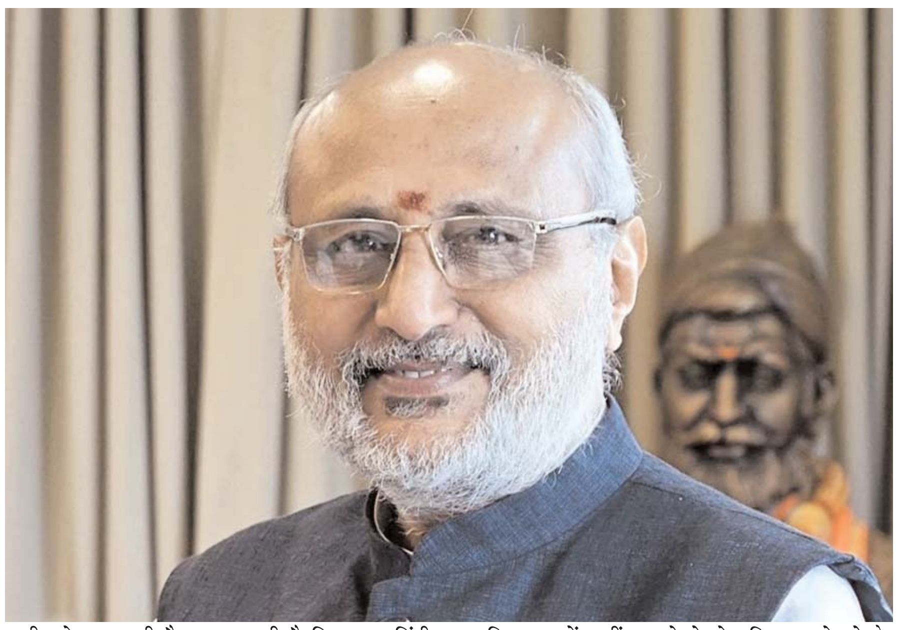

की ओर बढ़ रही है। वह मानती है कि अगर हिंदी विरोध की आंच से झुलसने का उसे अंदाजा होता तो हिंदी के विरोध में वह अपनी जिंदगी और अपने सपनों को होम नहीं करती।

राज्यपाल ने वैसे कुछ ऐसा नहीं बोला है, जिसे तूल दिया जा सके। उन्होंने कहा है कि किसी को पीटने के बाद क्या वह तत्काल मराठी बोलने लगेगा। निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। सीपी राधाकृष्णन 1998 और 1999 में लगातार दो बार कोयंबटूर से चुने गए थे। उन दिनों वे तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष भी रहे। उसी दौर की एक घटना का जिक्र उन्होंने अपने बयान में किया है। इस बयान में उन्होंने कहा है कि एक बार वे तमिलनाडु में कहीं जा रहे थे तो तमिल न बोलने के चलते कुछ हिंदीभाषी लोगों के साथ स्थानीय भाषा आंदोलनकारी मारपीट कर रहे थे। जिसके लिए उन्होंने हिंदीभाषियों से माफी मांगी और तमिल बोलने की जिद्द करने वाले लोगों से कहा था कि क्या उनके हाथों पिट जाने के बाद कोई तत्काल तमिल बोल पाएगा।

भारत की हर भाषा का सम्मान हो, हर भाषा को बोलने वालों का सम्मान हो, इस सोच को बढ़ावा देने की जरूरत है। भारत की हर भाषा एक-दूसरे से जुड़ी है। भारत की भाषाएं आपस में बहनें हैं। इनके बहनापा को बढ़ावा देने की जरूरत है। कोई भाषा श्रेष्ठ है या कोई भाषा कमजोर है, इसकी तुलना भी बेमानी है। बहुभाषी भारत में एक कहावत पूरी शिद्दत से कही जाती है कि कोसृ-कोस पर पानी बदले, तीन कोस पर बानी। इसका आशय साफ है कि कुछ ही दूरी पर भाषा का स्वरूप बदल जाता है। लेकिन क्या व्यक्ति इसका व्यवहार करना छोड़ देता है,क्या कुछ दूरी पर बदली भाषा से वह घृणा करने लगता है। भाषाओं की दुनिया किसी राष्ट्र की चौहद्दी नहीं हैं कि बाड़ लगाकर उन्हें रोक दिया जाएगा, भाषाओं का समाज नदी के पाट की तरह भी नहीं है कि उनके किनारों को बांध बनाकर रोक दिया जाएगा और उसके पानी को नियंत्रित कर लिया जाएगा।

दरअसल भाषाएं नदी के प्रवाह की तरह हैं। जिस तरह हर नदी का अपना प्रवाह है, उसके प्रवाह की अपनी ध्वनि है, कुछ ऐसा ही हाल हर भाषा का है। लेकिन तमिल हो या मराठी, उन्हें बेहतर मानने और बाकी भाषाओं को कमतर समझने की सोच सही नहीं है। हर भाषा उसे बोलने वाले मूल धारा के व्यक्ति के लिए उसकी अभिव्यक्ति का श्रेष्ठ साधन है। राज्यपाल के बयान का मकसद भाषाओं की दुनिया की इसी खूबसूरती से परिचित करना और उनके गौरवबोध से लोगों का परिचय कराना है।

महाराष्ट्र में मराठी बोली जाए या तमिलनाडु में तमिल का व्यवहार बाकी भाषाओं की तुलना में बेहतर हो, इससे भला किसी को क्यों इनकार होगा। लेकिन मराठी और तमिल को बेहतर बताने और हिंदी को कमतर बताने की सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हिंदी ही क्यों, बाकी भारतीय भाषाओं को कमतर बताना भी उचित नहीं होगा।

भाषा को लेकर गौरवबोध होना तो ठीक है, लेकिन अपनी भाषा के गौरवबोध को कथित तौर पर स्थापित करने के लिए हिंसा का सहारा लेना या जबरदस्ती करना उचित नहीं है। ऐसा करना एक तरह से कानून-व्यवस्था का मामला बन जाता है। ऐसे में राज्यपाल का यह कहना उचित ही है कि कानून-व्यवस्था ठीक नहीं रहेगी तो निवेशक राज्य में आने से बचेंगे, निवेश घटेगा तो राज्य में उत्पादक इकाइयां कम होगीं, इससे रोजगार घटेगा और राज्य का राजस्व भी। भाषा की राजनीति को इन तथ्यों को भी समझना होगा। उसे देखना होगा कि भाषा के प्रति प्यार और स्नेह अराजकता का जरिया ना बने।

भाषा को लेकर आक्रामक राजनीति करने वाले दलों को भी समझना होगा कि भाषाई स्वाभिमान के नाम पर होने वाली जबरदस्ती अंततः दूसरे पक्ष को भी उकसाती है। सोचिए, अगर हर भाषाभाषी अराजक ढंग से अपने भाषायी गौरवबोध को उभारने और उसे अभिव्यक्ति देने लगे तो क्या होगा ? अराजकता का तीव्र विस्फोट होगा और उससे अंततः राष्ट्र की नींव में सुराखें बनने लगेंगीं। जिसकी बुनियाद पर राष्ट्र का खड़े रह पाना कठिन होगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान को इन संदर्भों में भी देखा और समझा जाना चाहिए।

राज्यपाल ने ठीक ही कहा है कि हमें ज्यादा से ज्यादा भाषाएं सीखनी चाहिए, अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए। इसे लेकर कोई समझौता भी नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं है कि हम किसी और की मातृभाषा से नफरत करें। भाषाओं के नाम पर अराजक होने की बजाय जरूरत इस बात की है कि हम एक-दूसरे की भाषा ही नहीं, उसके समूचे अस्तित्व के प्रति सहिष्णु होना चाहिए। तुच्छ और तात्कालिक राजनीतिक फायदे के लिए भाषा के नाम पर सहिष्णुता का यह पुल एक बार टूटा तो उसे फिर से स्थापित कर पाना बेहद कठिन होगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान को इन्हीं संदर्भों में देखा, परखा और समझा जाना चाहिए।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में 600 करोड़ खर्च, फिर भी हाईटेक नहीं बना बिलासपुर

अब जनसहभागिता से लगांएगे सीसीटीवी; नागरिक कमेटी करेगी संचालन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत 6 सालों में 600 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करने के बावजूद शहर हाईटेक नहीं बन पाया है। अभी भी 100 करोड़ से अधिक के काम चल रहे हैं। लेकिन विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने का दावा पूरा होता नहीं दिख रहा है। अब प्रशासन ने जनसहभागिता से आईटीएमएस की तर्ज पर पूरे शहर की निगरानी के लिए विशेष कैमरे लगाने की योजना बनाई है। इन कैमरों का संचालन आम लोगों की कमेटी करेगी। इस कमेटी में सभी वर्ग के लोग और अलग-अलग संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

बुधवार (30 जुलाई) को इस विषय में सुझाव लेने के लिए कलेक्टर और निगम कमिश्नर ने आमजन और संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। प्रशासन का दावा है कि इस व्यवस्था से कोई भी अपराधी अपराध करके बच नहीं पाएगा। विशेष कैमरों की मदद से अपराधी जल्द ही पुख्ता सबूत के साथ पुलिस की गिरफ्त में होगा।

पूरे नगर निगम क्षेत्र में लगेगा सीसीटीवी: स्मार्ट सिटी के आईटीएमएस प्रोजेक्ट की तर्ज पर पूरे नगर निगम क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरे से लैस किया जाएगा। इनकी निगरानी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से होगी। योजना की अहम बात यह है कि इसका संचालन प्रशासन के बजाय नागरिकों द्वारा बनाई गई कमेटी द्वारा किया जाएगा। इस कमेटी के हाथों में क्रियान्वयन, नियंत्रण और निगरानी की जिम्मेदारी होगी।कलेक्टर संजय अग्रवाल और निगम कमिश्नर अमित कुमार ने बैठक में उपस्थित लोगों से आवश्यक सुझाव मांगे और सहयोग की अपील की। प्रशासन का मानना है कि इस अभिनव पहल से पूरे शहर में सुरक्षा, व्यवस्था और समन्वय बेहतर होगा।

सुरक्षा की दिशा में बढ़ेंगे आगे - कलेक्टर: कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा की किसी भी शहर की उपलब्धि और पहचान में वहां के नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, स्वच्छता में बिलासपुर का नाम हुआ है इसमें नागरिकों का बहुत बड़ा योगदान है, अब शहर एवं नागरिकों की सुरक्षा की दिशा में हम सबको आगे बढ़ना है।

फुटेज न्यायालयीन प्रक्रिया में फायदेमंद होगा: कलेक्टर ने बताया कि शहर के सभी क्षेत्रों में विशेष कैमरे लगाने से नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था होगी और किसी भी अपराध के घटित होने पर अपराधी के पकड़े जाने और न्यायालयीन प्रक्रिया तक में यह मददगार होगा। उपस्थित संगठनों के पदाधिकारियों ने अपने सुझाव दिए और इस योजना को लागू करने पर अपनी सहमति जाहिर की।

ट्रैफिक के लिए 523 कैमरे लगे, इससे अधिक कैमरे लगाए जाएंगे: निगम कमिश्नर अमित कुमार ने योजना का खाका पेश करते बताया कि अभी शहर के प्रमुख स्थानों पर स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर द्वारा संचालित 23 जंक्शन में 523 कैमरे लगाए गए हैं। इसके जरिए शहर की ट्रैफिक व्यवस्था संचालित की जा रही है। इसी तर्ज पर पूरे शहर को निगरानी में रखने की आवश्यकता है, खासकर आउटर में। निगम कमिश्नर के मुताबिक पूरे शहर में कैमरा लगे और उसे एक ग्रिड से कनेक्ट किया जाए, जो इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर के रूप में इसके जरिए शहर भर की निगरानी आसानी से की जा सकेगी। इसके संचालन के लिए कमेटी बना कर उसे रजिस्टर्ड कराया जाएगा। कमेटी में तकनीकी टीम भी रहेगी और कमेटी बजट से संबंधित निर्णय लेकर योजना को मूर्तरूप देने के लिए सुझाव और विश्लेषण के आधार पर डीपीआर तैयार कराया जाएगा।

शहीद पंकज विक्रम वार्ड में कांग्रेस की बैठक, मंडल-सेक्टर कमेटियों के गठन पर हुई चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत रायपुर में शहीद पंकज विक्रम वार्ड के लिए मंडल और सेक्टर कमेटियों के गठन को लेकर बैठक रखी गई। यह बैठक महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव और प्रवक्ता प्रीति उपाध्याय शुक्ला के निवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुमित दास महंत ने की। इस दौरान रायपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे और ब्लॉक कांग्रेस प्रभारी मनोज कंदोई भी मौजूद रहे। बैठक में कांग्रेस संगठन को वार्ड स्तर पर मजबूत करने और मंडल-सेक्टर स्तर पर नई कमेटियों के गठन पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने सुझाव भी दिए। संगठन सृजन अभियान के माध्यम से कांग्रेस देशभर में जमीनी स्तर पर संगठन को सशक्त बना रही है। खासकर महिलाओं और युवाओं को पार्टी से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में शहर कांग्रेस प्रभारी महामंत्री श्रीनिवास, वरिष्ठ नेता शिव ग्वालानी, पूर्व पार्षद देवेंद्र यादव, विवेक अग्रवाल, प्रवाह नासरे, उमेश गुप्ता, राज देवांगन, अभिनय दुबे, माधव छुरा, योगेश तिवारी, रवि ग्वालानी, दासाराम नेताम, पुष्पराज बैद, अभिषेक पांडे, अविरल त्रिपाठी, सतीश कटियार, संतोष वाघमारे, झूमुक लाल निषाद समेत कई ब्लॉक पदाधिकारी मौजूद रहे।

नये जिले के गठन एवं वार्डों के सीमांकन के पश्चात पता सुधारवाने लोग हो रहे हैं परेशान : डोमरु रेड्डी

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। कोरिया जिले से अलग होकर नये बनाये गए 33 वाँ नया जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में आज 2 वर्षों के बाद भी अधिकतर नागरिकों के आधिकारिक दस्तावेजों में पुराने जिले कोरिया का ही नाम दर्ज है। इसके साथ ही नगरीय निकाय चुनाव में कई शहरों के वार्डों में हुए सीमांकन के कारण भी बहुत से लोगों के पते में आवश्यक सुधार कराना पड़ रहा है, जिसके लिए च्वाईस सेन्टर के चक्कर लगाते - लगाते आम लोग परेशान हो रहे हैं।

इस सम्बंध में लोगों को हो रहे परेशानियों को ध्यान में रखते हुए चिरमिरी नगर निगम के पूर्व महापौर एवं जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष के. डोमरु रेड्डी ने जनहित में मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के कलेक्टर डी. राहुल वेंकट से उनके जनदर्शन में मुलाकात कर समस्या के आवश्यक निराकरण की दिशा में पहल किया है। अपने पत्र में रेड्डी ने कलेक्टर का ध्यान आकर्षित कराते हुए बताया है कि हमारे नये जिले के रुप में मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर गठन के बाद भी हमारे यहाँ के निवासियों के आधिकारिक दस्तावेजों में आज भी पुराना जिला कोरिया दर्ज है और प्रशासनिक देखरेख के बगैर सुधार हो पाने में लोगों को कठिनाई आ रही है। चूँकि आधार कार्ड में दर्ज पते के आधार पर ही बैंक पासबुक, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि में दर्ज पता मान्य है, इसलिए इन आवश्यक दस्तावेजों में पता सुधार करवाने की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है। चर्चा के दौरान उन्होने यह भी कहा है कि चिरमिरी सहित अन्य नगरीय निकायों एवं पंचायतों में नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव में हुए वार्ड पुनर्गठन में आंशिक बदलाव के कारण वार्ड परिवर्तित होने के कारण भी बहुत से वार्डों के लोगों को अपना नया पता के संशोधन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस सम्बंध में च्वाईस सेन्टर में कभी सर्वर डाउन है, कभी अत्यधिक भीड़ के कारण लम्बी कतार के बाद देरी के कारण बैरंग लौटना आदि ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

भूमि त्रुटि सुधार को लेकर सीएम से मिला प्रतिनिधिमंडल

लोगों को पट्टा दिलाने की मांग, भू-स्वामियों की जमीन लीज घोषित हो गई थी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ नगर पालिका के बाजार क्षेत्र में रह रहे लोगों की जमीनें राजस्व विभाग की त्रुटि से लीज की जमीन घोषित हो गया है। जिससे यहां मकान और दुकान बनाकर रहने, व्यापार कर रहे लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके सुधार करने को लेकर शासन स्तर पर कई बार मांग की गई। लेकिन आज तक यहां रहने वाले हजारों लोगों को आज तक पट्टा नहीं मिल पाया है।

इसको लेकर मनेंद्रगढ़ में नजूल संघर्ष समिति भी बनी है, जो कि लगातार शासन-प्रशासन से पट्टे की मांग कर रही है। पिछले दिनों समिति का एक प्रतिनिधिमंडल मनेंद्रगढ़ से रायपुर गया था। प्रतिनिधि मंडल के साथ मनेंद्रगढ़ विधायक और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर बाजार क्षेत्र के रहवासियों को पट्टा दिलाने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने भूमि के मेंटेनेंस खसरा में त्रुटिपूर्ण दर्ज लीज को सुधार करने की मांग की है। साथ ही 12 जनवरी 2017 को शासन की ओर से जारी परिपत्र के अनुसार नजूल भूमियों के भूधारकों को भूस्वामी अधिकार देने के लिए कलेक्टर को निर्देश देने की भी मांग की है। जानकारों की मानें तो देश की आजादी से पहले 1930-31 में कोरिया स्टेट के राजा रामानुज प्रताप सिंह देव ने मालिकाना हक देकर मनेंद्रगढ़ शहर को बसाया था।

बिलासपुर की महिला बॉक्सर खेलेगी वर्ल्ड चैंपियनशिप, सीएम साय ने दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। रेल मंडल की महिला बॉक्सर सना माचू का विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। सना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के बिलासपुर रेल मंडल में सीसीटीसी के पद पर कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सना माचू के चयन पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। ष्टरूने कहा कि सना का चयन न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

सना माचू अब इंग्लैंड के लिवरपूल में 4 से 14 सितंबर तक आयोजित होने वाली विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की बेटियों की बढ़ती प्रतिभा, मेहनत और आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि सना अपने दमदार प्रदर्शन से देश का नाम विश्व पटल पर रोशन करेंगी। साथ ही वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।

गवर्नमेंट टीचर की नौकरी दिलाने 300 लोगों से करोड़ों ठगे

सिक्योरिटी-डिपॉजिट के नाम पर 2-5 लाख वसूले, जॉइनिंग-लेटर थमाया; रायपुर का एनजीओ डायरेक्टर फरार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में टीचर की नौकरी देने के बहाने रायपुर के एक एनजीओ ने करोड़ों का फर्जीवाड़ा किया है। एनजीओ के डायरेक्टर ने सैकड़ों बेरोजगार युवक-युवतियों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाने के लिए भेज दिया। उन्हें कहा गया कि हर महीने की सैलरी एनजीओ देगा। बदले में सिक्योरिटी डिपॉजिट के लिए अलग-अलग जिलों के करीब 300 लोगों से 2 से 5 लाख तक वसूल कर लिए गए। कुछ महीने बीतने के बाद आरोपी डायरेक्टर करोड़ों रुपए लेकर भाग गया। 2 दर्जन पीड़ितों ने रायपुर के सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज करवाई हैं।

आरोपी राजू रात्रे

पीड़ित प्रसेनजीत भारद्वाज

विज्ञापन देखकर झांसे में आए: जानकारी के मुताबिक, री इंडिया स्किल वेलफेयर फाउंडेशन के डायरेक्टर राजू रात्रे और अल्फिजा फातिमा हैं। जिन्होंने रायपुर के अंबेडकर चौक शहीद वीर नारायण सिंह परिसर में ऑफिस डाला है। आरोपियों ने सरकारी स्कूलों में शिक्षक के पद पर नौकरी लगवाने के लिए विज्ञापन छपवाया था। विज्ञापन देखकर ही लोग झांसे में आ गए। पीड़ित डायरेक्टर ने बताया कि उनका एनजीओ स्कूलों में निशुल्क शिक्षा देने का काम करता है। इसके बदले टीचर को हर महीने 22 हजार वेतन दिया जाता है।

पैसे वसूलकर जॉइनिंग लेटर जारी किया: इस मामले में आरोपियों ने बेरोजगार युवक-युवतियों से सिक्योरिटी डिपॉजिट के बहाने 2 से 5 लाख रुपए तक वसूल कर लिए। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें रायपुर शहर के अलग-अलग सरकारी स्कूलों में पढ़ाने के लिए भी भेजा गया। एनजीओ की तरफ से जॉइनिंग लेटर में कहा कि इस लेटर से आप 58 साल तक नौकरी करोगे। इसके बाद एनजीओ ने शुरुआत के तीन-चार महीने लोगों को पढ़ाने के बदले सैलरी भी दी। लेकिन फिर टालमटोल शुरू हो गया। कई पीड़ित लोगों ने करीब साल भर स्कूलों में नौकरी की। लेकिन उन्हें तनख्वाह नहीं मिली। एनजीओ के स्टाफ लगातार पैसे को लेकर झांसा देते रहे।

300 लोगों से करोड़ों वसूलने की बात: एएसपी कीर्तन राठौर का कहना है कि इस एनजीओ ने कई अलग-अलग जिलों के करीब 300 लोगों को अपना शिकार बनाया है। उनसे सिक्योरिटी डिपॉजिट के बहाने 2 से 5 लाख वसूल किए हैं। अकेले रायपुर में ही करीब दो दर्जन से ज्यादा शिकार बने हैं। वहीं पीड़ितों का कहना है कि एनजीओ में डायरेक्टर के अलावा कई बिचौलिए भी थे। जिन्होंने पैसे लिए हैं। अब 1 जुलाई 2025 से एनजीओ ने अपना ऑफिस बंद कर दिया है और डायरेक्टर भी मोबाइल बंद कर फरार हो गया।

रायपुर के ये लोग हैं पीड़ित: पीड़ितों में सुरभि सोनी, पलक गायकवाड, प्रसेन जीत भारद्वाज, चंद्रकांता पटेल, सरोजिनी कंवर, यशोदा कंवर, गीतांजलि साहू, खिलेश्वरी साहू, जयश्री ध्रुव, रूपा वर्मा, खिलेश्वरी ठाकुर, मनीषा बाघमरे, चंद्रकला, हेमलता, जॉनसन खाका, सुमन साहू, भानु प्रताप सिंह, भेदू राम सोनकर, रूपेश सोनकर शामिल है। जिन्होंने थाने में शिकायत की है।

अधूरे कुएं में गिरकर परिवार के 3 सदस्यों की मौत

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (निप्र)। जिले के बनवार गांव में एक अधूरे कुएं ने एक ही परिवार के तीन लोगों की जान ले ली। परिवार का आरोप है कि कुएं के निर्माण के लिए स्वीकृत राशि दिलवाने के लिए रोजगार सहायक को खेत गिरवी रखकर 10,000 रुपए की रिश्वत दी गई थी। रिश्वत देने के बावजूद उन्हें स्वीकृत राशि नहीं मिली और कुएं के निर्माण का काम पूरा नहीं हो पाया। इसी अधूरे कुएं से मलबा हटाने के दौरान तीनों लोग नीचे गिर गए। कई घंटे चले रेस्क्यू के बाद तीनों के शव बाहर निकाले गए। मृतक के बड़े बेटे जीवन राम श्रीवास ने बताया कि कुएं के निर्माण के लिए स्वीकृत राशि दिलवाने के लिए उनके पिता ने रोजगार सहायक शिवकुमार को अपना खेत गिरवी रखकर 10,000 रुपए की रिश्वत दी थी।

रिश्वत देने के बावजूद उन्हें स्वीकृत राशि नहीं मिली। इसके कारण कुएं का निर्माण कार्य अधूरा रह गया। इसी अधूरे कुएं से मलबा निकालने के प्रयास में यह हादसा हो गया। परिवार खेती-किसानी से ही अपना गुजारा करता था और अब घर के मुख्य सदस्य के न रहने से परिवार परेशान है।

जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई होगी: मौके पर मौजूद एसडीएम टीएस भारद्वाज ने कहा कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने पर था। उन्होंने आश्वासन दिया कि सामने आ रही शिकायतों की जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मामले की कलेक्टर से की गई है शिकायत: पाली तानाखार के पूर्व विधायक मोहित राम केरकेट्टा ने कहा कि यह मामला हाई प्रोफाइल हो गया है और इसकी जानकारी राहुल गांधी तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि अगर इस मामले में गड़बड़ी हुई है और रिश्वत ली गई है तो कलेक्टर को पत्र लिखकर कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध के बावजूद अवैध उत्खनन, 5 ट्रैक्टर और 700 घनमीटर रेत जब्त

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। खनिज विभाग के अफसर बदलने के बाद भी हालात में कोई सुधार नहीं हो रहा है। प्रतिबंध के बाद भी जिले में रेत, मुरूम और मिट्टी की बेतरतीब तरीके से अवैध उत्खनन और परिवहन हो रहा है। बुधवार को खनिज विभाग ने छापेमारी की, तब 5 ट्रैक्टर के साथ ही 700 घन मीटर रेत के अवैध भंडारण को जब्त किया। दरअसल, राज्य शासन ने मानसून शुरू होने के साथ ही 15 अक्टूबर तक रेत, मुरम और मिट्?टी जैसे खनन पर रोक लगा दिया है। इसके बावजूद जिले में माफिया सक्रिय हैं। कलेक्टर की सख्ती का भी खनिज माफियाओं पर कोई असर नहीं हो रहा है।

पिछले 2 जुलाई को उप संचालक डॉ. दिनेश मिश्रा और खनिज अधिकारी रमाकांत सोनी का तबादला हो गया। जिसके बाद यहां जिले में नए खनिज अधिकारी की पोस्टिंग की गई। बता दें कि रायपुर में पदस्थ नए उप संचालक केके गोलघाटे को यहां डिप्टी डायरेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है।

नए अफसर की पहली कार्रवाई, 5 ट्रैक्टर जब्त: नवपदस्थ डिप्टी डायरेक्टर गोलघाटे के जॉइन करने के बाद जिले में पहली बार छापेमारी की गई। जोगीपुर क्षेत्र में रेत का अवैध खनन कर रहे दो ट्रैक्टर जब्त कर रतनपुर थाने के सौंप दिया। आमागोहन क्षेत्र से रेत भरकर ले जा रहे तीन ट्रैक्टर जब्त कर बेलगहना पुलिस चौकी को सौंपे गए। वहीं नगोई क्षेत्र में लगभग 700 घनमीटर रेत का अवैध भंडारण मिला, जिसे जब्त कर जिला पंचायत सदस्य निरंजन पैकरा की सुपुर्दगी में दिया गया है।

चंदा यादव ने एक गृहिणी से लाखों की उद्यमी बनने तक का सफर किया साकार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की खड़गवां ब्लॉक के पोंडी बचरा गांव की रहने वाली चंदा यादव दीदी की कहानी आज पूरे जिले के लिए प्रेरणा बन चुकी है। कभी बेहद साधारण पारिवारिक परिस्थिति में जीने वाली चंदा दीदी आज न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि लाखों की उद्यमी भी बन चुकी हैं। यह कहानी संघर्ष, साहस और सतत् प्रयास की वह मिसाल है, जो यह सिद्ध करती है कि अगर हौसले बुलंद हों तो हालात चाहे जैसे भी हों, बदले जा सकते हैं।

गरीबी की जंजीरों को तोड़ने का साहसिक फैसला: चंदा दीदी के पति विद्यानंद यादव खेती और मजदूरी करते थे। वार्षिक आमदनी मात्र 45 से 60 हजार रुपए थी। जिससे घर खर्च निकालना बेहद कठिन हो गया था। परिवार लगातार आर्थिक तंगी से गुजर रहा था, लेकिन चंदा दीदी ने परिस्थितियों से हार मानने के बजाय बदलाव का रास्ता चुना।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अंतर्गत सिकल सेल मित्र पहल की शुरूआत

बैतूल, (एजेंसी)। विधायक प्रतिनिधि स्वास्थ्य विभाग डॉ अशोक बारंगा एवं अपर कलेक्टर श्री राजीव रंजन श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े द्वारा गुरूवार को जिला चिकित्सालय बैतूल के मीटिंग हाल में सिकल सेल मित्र बनाने की पहल कार्यक्रम की शुरूआत की गई। मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि स्वास्थ्य विभाग डॉ अशोक बारंगा ने सिकल सेल मित्रों को संबोधित करते हुये कहा कि सिकल सेल जेनेटिक बीमारी है, हम युवा वर्ग में सिकल सेल स्क्रीनिंग कार्य करें। हम काउंसिंग करें कि दो सिकल सेल रोगी दम्पत्ति न बनें क्योंकि शादी होने पर उनकी संताने या तो सिकल

सेल रोगी या वाहक होगी।

अपर कलेक्टर राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा बताया कि सिकल सेल एनीमिया बहुत गंभीर बीमारी है, हमारे रक्तवीर समय-समय पर आवश्यकतानुसार सिकल सेल रोगियों को रक्त प्रदान कर जीवन बचा रहे हैं, वर्तमान में जिले में सिकल सेल स्क्रीनिंग का कार्य की उपलब्धि बहुत ही सराहनीय है।

सीएचमओ डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि 100 दिवसीय सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग एवं जागरूकता अभियान दिनांक 1 जुलाई 2025 से प्रारंभ कर दिया गया है जो 30 सितम्बर 2025 तक चलाया जायेगा गरीब पिछड़े आदिवासी जिले में जागरूकता फैलाने, बीमारी के वाहक को रोकने हेतु यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

इसकी मॉनिटरिंग महामहिम राज्यपाल महोदय कर रहे हैं। जिले में सिकले सेल के 1329 रोगी एवं 5208 सिकल सेल वाहक चिन्हित किये गये हैं, मध्यप्रदेश में जिले का सिकल सेल उन्मूलन कार्य में तृतीय स्थान है, जो हमारे लिये गौरव की बात है।

नशा मुक्त अभियान में खिलाड़ियों एवं आम नागरिकों को नशे से दूरी की शपथ दिलवाई

उज्जैन, (एजेंसी)। खेल और युवा कल्याण विभाग तथा गायत्री शक्ति पीठ के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक प्रदेश के हर जिले, विकाखण्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर प्रत्येक युवा वर्ग को नशे से दूरी बनाने के उद्देश्य से खिलाड़ियों/युवाओं एवं आमजन को नशे से होने वाले दुष्प्रभावाओं की जानकारी देते हुए नशा मुक्ति जन जागृति अभियान चलाया जा रहा है जिसमें हमारा है यही संदेश नशा मुक्त हो मध्य प्रदेश। अभियान के तहत हर वर्ग को ड्रग्स के गंभीर दुष्परिणाम के बार में जागरूक करना है इसी तारतम्य में नशा मुक्त कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 30-07-2025 को शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय देवास गेट उज्जैन किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों/युवाओं / छात्र छात्राओं एवं आम नागरिक को नशा न करने और नशीली वस्तुओं से दूर रहने की सामुहिक शपथ डॉ. वंदना गुप्ता, प्राचार्य एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, ओ.पी. हरोड़ ने दिलाई गई सभी ने संकल्प लिया कि वह खुद भी नशा नहीं करेगें और दूसरों को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करेगें। तथा कहा कि नशीले पदार्थो के साथ-साथ आज बच्चों में टी.वी/ मोबाईल का नशा भी तेजी से बड़ रहा है, इस पर भी रोक होना चाहिये।इस अवसर पर डॉ. वंदना गुप्ता, प्राचार्य द्वारा अभियान अन्तर्गत संबोधित करते हुए बताया कि आज के इस वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नव युवतियां एवं महिलाऐं भी मादक पदार्थो की ओर आकर्षित हो रही है। इस ओर भी उन्होने ध्यान आकर्षित किया। साथ ही खिलाड़ियों को भी इस बात की शपथ दिलाई गई कि हम देश के श्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के लिये कभी भी किसी भी प्रकार का नशा नही करेगें।कार्यक्रम में विशेष रूप से डॉ. इन्दु बंसल, डॉ. कविता मंगलम, प्रभारी नशा मुक्ति अभियान, गायत्री परिवार से नरेन्द्र शिखवार (ट्रस्टी) सुभाष निचित, मोहनलाल बम्बोरिया, समन्वयक शानु मकवाना तथा खेल संघो के पदाधिकारी, नगर के कई गणमान्य व्यक्ति एवं महाविद्यालय के प्रोफेसर उपस्थित रहे।

बीएसएफ टेकनपुर में इंटर-फ्रंटियर साइक्लिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ

ग्वालियर, (एजेंसी)। सेंट्रल स्कूल ऑफ मोटर ट्रांसपोर्ट (सीएसएमटी) सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर के तत्वाधान में इंटर-फ्रंटियर साइक्लिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में दूसरी बार आयोजित की जा रही है, जिसमें सीमा सुरक्षा बल के अलग-अलग सीमांत मुख्यालयों से आयी कुल 11 टीमें हिस्सा ले रही हैं। जो अपनी साइक्लिंग क्षमता और टीम वर्क का प्रदर्शन करेंगी। इस प्रतियोगिता में 03

अधिकारी, 12 अधिनस्थ अधिकारी एवं 73 अन्य कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें 20 कि.मी. व्यक्तिगत ट्रायल रेस तथा 80 कि.मी. रोड रेस शामिल है।

इस दो दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ बडे ही जोश और हर्षोउल्लास के साथ लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम, सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में मुख्य अतिथि महानिरीक्षक व संयुक्त निदेशक सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर श्री ब्रजेश कुमार द्वारा व्यक्तिगत टाइम ट्रायल इवेंट को फ्लैग ऑफ कर किया गया, जिसमें सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में पदस्थ अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व अन्य कार्मिक शामिल हुये। प्रतियोगिता का समापन 31 जुलाई को होगा, जिसमें विजेताओं को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा।

सड़क दुर्घटनाओं की प्रतिदिन समीक्षा कर इनमें कमी लाई जाए-पूर्व न्यायाधीश सप्रे

उज्जैन, (एजेंसी)। सड़क सुरक्षा के लिए गठित सुप्रीम कोर्ट समिति के अध्यक्ष और पूर्व न्यायाधीश अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई । बैठक में पूर्व न्यायाधीश सप्रे ने कहा कि उज्जैन एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल है। यहां दूर-दूर से श्रध्दालु दर्शन के लिए आते हैं। यहा सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए । जिससे श्रध्दालु यहां से लौटते समय सुखद अनुभव लेकर जाएं । सड़क दुर्घटना में किसी भी स्थिती में मृत्यु न हो ऐसे प्रयास किए जाएं । इसके लिए जीरो टालरेन्स नीति अपनाई जाए । सड़क सुरक्षा के अंतर्गत परिवहन, पुलिस, स्वास्थ्य, चिकित्सा, लोकनिमार्ण विभाग, राजस्व, एनएचएआई और एमपीआरडीसी बेहतर ताल-मेल के साथ कार्य करें । सड़क दुर्घटनाओं की प्रतिदिन समीक्षा कर इनमें कमी लाई जाए । सड़क दुर्घटनाओं को अधिक से अधिक टालने के प्रयास किए जाएं । टू व्हीलर चला रहे ज्यादातर लोगों की सड़क दुर्घटना में मृत्यु इसीलिए होती है क्योंकी उन्होंने हेलमेट नहीं पहना होता है । टू व्हीलर चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने और फोर व्हीलर चलाते समय सीट बेल्ट पहनने के लिए लोगों को जागरुक किया जाए । हेलमेट सुरक्षा है, बोझ नहीं यह समझाने का प्रयास किया जाए । आरटीओ द्वारा जागरुकता शिविर समय समय पर लगाए जाएं । वाहनों की फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया जाए। फिटनेस प्रमाणपत्र जारी करने से पहले वाहनों का सूक्ष्मत- निरीक्षण किया जाए। आमजन सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की हर संभव सहायता करें। यदि आप सड़क दुर्घटना में किसी का जीवन बचाते हो तो यह अत्यंत पुण्य का काम है । आमजन ऐसे प्रकरणों में घायल व्यक्ति की पूर्ण संवेदनशीलता के साथ सहायता करें। बैठक में विगत 05 वर्षों में वर्षवार वाहन दुर्घटना की जानकारी दी गई । पूर्व न्यायाधीश सप्रे ने कहा कि सड़क दुर्घटना में मृत्यु न हो इस बात के? विशेष प्रयास किए जाएं । ब्लेक स्पॉट को शीघ्र अतिशीघ्र सुधारा जाए । विलंब की स्थिती में संबंधित ठेकेदार को आजीवन ब्लेकलिस्ट करने की कार्यवाही की जाए।

खाद्य सुरक्षा की टीम ने फल मंडी छत्री बाजार व मुरार का किया निरीक्षण , व्यापारियों को दी हिदायत

ग्वालियर, (एजेंसी)। खाद्य सुरक्षा टीम ने फलों को पकाने में अवैध रसायन कैल्शियम कार्बाइट एसिटिलीन गैस का इस्तेमाल फसलों को पकाने के लिये न करने की समझाइश देने के साथ ही छत्री मंडी एवं मुरार फल मंडी के गोदामों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फल व्यापारियों के द्वारा आम, केला, पपीता फल को पकाने के लिये एथिलीन शैशे का उपयोग किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान फल गोदामों पर कैल्शियम कार्बाइट एवं एसिटलीन गैस नहीं पाई गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग के अभिहीत अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री लोकेन्द्र सिंह, श्री राजेश कुमार गुप्ता, श्री दिनेश सिंह निम एवं निरूपमा शर्मा की टीम ने फर्म श्याम सतीश फ्रूट कंपनी, समर राइन फ्रूट कंपनी, अनिल कुमार जेतानंद कक्कड़ फ्रूट कंपनी, पहलवान फ्रूट कंपनी, जसवंत फ्रूट शॉप, अंकुर बत्रा फूड स्टोर का और मुरार में दूसरी एफएसओ टीम श्री गोविंद नारायण सरगैया, श्री सतीश धाकड़ एवं एवं श्री सतीश शर्मा ने सैमनाथ फ्रूट कंपनी,जय दुर्गे फ्रूट कंपनी जैन संतर मुरार, दुर्गेश फ्रूट स्टोर के गोदाम का निरीक्षण किया। इसके साथ ही टीम के सदस्यों द्वारा फल व्यापारियों को फलों को पकाने के लिये रसायनों का उपयोग न करने की हिदायत दी।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने उपभोक्ताओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कार्यवाही की

उज्जैन, (एजेंसी)। 7 खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार निरीक्षण एवं नमूना कार्यवाही की जाती है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा फल गोदामों पर इस आशय के साथ कार्यवाही की गई कि फलों के पकाने में कृत्रिम रसायन, कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग तो नहीं किया जा रहा। दल द्वारा श्री सांई फरुट प्रोसेसिंग मोहन नगर उज्जैन, ए.आर. फरुट मर्चेंट मिर्जा नईम बेग उज्जैन एवं अकशा फरुट सप्लायर कमल कॉलोनी आगर रोड़ उज्जैन का निरीक्षण किया गया, आम, पपीता, सेव नियमानुसार पकाया जाना पाया गया। इसके अलावा विभाग द्वारा श्री सांवरिया सेण्डविच महाकाल वाणिज्य केन्द्र उज्जैन से बटर का नमूना, होटल क्षिप्रम महाकाल वाणिज्य केन्द्र उज्जैन से दूध का नमूना, अवंतिका फूड वेनचर से फेट स्प्रेट का नमूना, मालवा फ्रेगरेंस (चूल्हा पंजाब दा) से पनीर का नमूने लिये जाकर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये।

अतिवर्षा की स्थिति पर नजर रखें और जान-माल के बचाव को दें प्राथमिकता: सीएम

इन्दौर, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी जिलों में अतिवर्षा की स्थिति पर नजर रखी जाए। कलेक्टर एवं प्रशासनिक तथा पुलिस अमला अधिक वर्षा की स्थिति में आपदा की हालत उत्पन्न होने के पूर्व नागरिकों के बचाव के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें। संवेदनशील और सजग होकर प्रभावित नागरिकों की सहायता की जाए। पशु हानि और मकानों की क्षति पर भी प्रावधानुसार अविलम्ब मदद पहुंचाएं। इन कार्यों को सभी कलेक्टर्स प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार की शाम समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास, भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को निर्देशित कर रहे थे। इस बैठक में इंदौर संभागायुक्त कार्यालय से संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, आईजी श्री अनुराग, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शॉजी जोसेफ, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री एस.के.सिन्हा, संयुक्त संचालक उद्योग श्री एस.एस. मण्डलोई, संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री बृजेश पाण्डे, प्रभारी संयुक्त

संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. विलसन डाबर, कृषि कॉलेज की अधिकारी नम्रता गुरनानी वीडियो कान्फ्रेंसिंग द्वारा शामिल हुए। बैठक में इंदौर कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, डीआईजी ग्रामीण श्री निमिष अग्रवाल, एसपी ग्रामीण यांगचेन डोलकर भूटिया, जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रावण मास में मंदिर परिसर भी सुविधायुक्त बनाएं, जिससे श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। आगामी 9 अगस्त को रक्षाबंधन, 14 अगस्त को बलराम जयंती, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 16 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी पर होने वाले महत्वपूर्ण पर्वों के लिये आवश्यक व्यवस्थाएं अग्रिम रूप से की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, एयर एम्बुलेंस सेवा के समुचित उपयोग और आयुष्मान योजना के तहत मरीजों को उपचार उपलब्ध करवाने के लिए पंजीकृत अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटनाओं की स्थिति में गंभीर घायल व्यक्ति के गोल्डनअवर में उपचार को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर अस्पतालों के निर्धारण से जुड़ी प्रक्रिया भी पूरी की जाए। राहवीर योजना में सड़क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को तत्परता से अस्पताल ले जाने वाले सहयोगी नागरिक को 25 हजार रुपए की राशि दिए जाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि योजना क्रियान्वयन के प्रति भी जिला कलेक्टर सजग रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि जिला स्तर पर विकास समितियां बनाने के संबंध में प्रभारी मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों से संवाद कर कार्यवाही पूर्ण की जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में यह भी निर्देश दिए गए कि 15 अगस्त पर होने वाली ग्राम सभा और वन समितियों के निर्वाचन से संबंधित कार्य पूर्ण किए जाएं।

बगैर हेलमेट पहने दो पहिया वाहन चालकों को पेट्रोल पम्पों से नहीं मिलेगा पेट्रोल

इन्दौर, (एजेंसी)। इंदौर जिले में अब बगैर हेलमेट पहने दो पहिया वाहन चालकों को पेट्रोल पम्प से पेट्रोल नहीं दिया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश एक अगस्त 2025 से लागू होगा। उक्त आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार इंदौर जिले में ऐसे दो पहिया वाहन चालक, जिनके द्वारा हेलमेट धारण नहीं किया है, उन्हें किसी भी पेट्रोल पम्प द्वारा पेट्रोल का प्रदाय नहीं किया जायेगा। इस आदेश के उल्लंघन की दशा में संबंधित पेट्रोल पम्प के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश एक अगस्त 2025 से लागू होकर 29 सितम्बर 2025 तक प्रभावशील रहेगा। इसका उल्लंघन करने वाले व्यक्ति/संस्था/संचालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। उपर्युक्त प्रतिबन्ध मेडिकल संबंधी मामलों व आकस्मिक स्थिति में लागू नहीं होगा। यह प्रतिबन्ध अन्य किसी नियम/आदेश के प्रतिबन्धों के अतिरिक्त होंगे ।

समय-समय पर समाचार पत्रों तथा विगत वर्षों में इन्दौर जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं में हो रहीं निरन्तर वृद्धि तथा इनमें होने वाली क्षति के सन्दर्भ में यह तथ्य ध्यान में लाया गया कि दोपहिया वाहनों के वाहन चालक द्वारा यदि हेलमेट लगाया जाये तो निश्चित ही इन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु एवं घायलों की संख्या में कमी लाई जा सकती है। इस संबंध में गत दिवस इन्दौर में आयोजित सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी द्वारा ली गई बैठक में इस बिन्दु पर विस्तृत रूप से विचार-विमर्श किया गया। वाहन चालकों द्वारा यदि हेलमेट लगाया जाता है तो इससे निश्चित् रूप से इन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु एवं घायलों की संख्या में कमी आ सकती है। इस संबंध में समय-समय पर केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा भी निर्देश दिये गये है। साथ ही मध्यप्रदेश मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा-129 में स्पष्ट प्रावधान है कि प्रत्येक दो पहिया वाहन सवारी तथा वाहन चालक अनिवार्य रूप से आई.एस.आई. मार्क हेलमेट(सुरक्षात्मक टोप) पहनेगा। बिना हेलमेट धारण किये चलने वाले दो पहिया वाहन चालकों की सड़क में दुर्घटना एवं असामायिक मृत्यु होने का खतरा बना रहता है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उज्जैन का सिंहस्थ 2028 स्पिरिचुअल सिटी बनने से होगा भव्य : अग्नि अखाड़ा

उज्जैन, (एजेंसी)। श्री अग्नि अखाड़ा के सभापति श्री मुक्तानंद जी बापू महाराज ने एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत श्री अग्निअखाड़ा परिसर में पौधे रोपण के कार्यक्रम के दौरान बुधवार सुबह कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सिंहस्थ 2028 का आयोजन सिंहस्थ स्पिरिचुअल सिटी बनने से होगा भव्य7 उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे स्पिरिचुअल सिटी का विकास,29 किमी से अधिक लंबे नवीन घाट निर्माण ,शिप्रा शुद्धिकरण के लिए कान्ह क्लोज़ डक्ट परियोजना,शिप्रा को प्रवाहमान बनाने के लिए सिलारखेड़ी-सेवारखेड़ी परियोजना,सुगम यातायात और देश में सभी बड़े शहरों से कनेक्टिविटी के लिए 6 और 4 लेन निर्माण ,नवीन सैटेलाइट रेलवे स्टेशन विकास आदि कार्यों से सिंहस्थ 2028 का श्रद्धालुओं का अनुभव होगा आध्यात्मिक और दिव्य। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण कार्यक्रम सतत् जारी रहेगा- कलावती यादव

श्री अग्नि अखाड़ा परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम में नगर निगम सभापति कलावती यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही।श्री अग्नि अखाड़ा के सभापति श्री मुक्तानंद जी बापू महाराज और नगर निगम सभापति कलावती यादव ने कार्यक्रम में आम और आंवले के पौधे का रोपण किया। सभापति यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से बचाव के लिए पौधारोपण कार्यक्रम सतत् जारी रहेगा। कार्यक्रम में जनसंपर्क कार्यालय, उज्जैन संभाग के प्र.संयुक्त संचालक श्री अरुण राठौर ने अमरूद के पौधे का रोपण किया। कार्यक्रम में अन्य साधु संत और उपस्थित अधिकारियों ने भी पौधा रोपण किया। उल्लेखनीय है कि संभागीय जनसंपर्क कार्यालय उज्जैन की और से एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण के लिए भी 100 पौधे पौधारोपण के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे।

इंडिया और पाक मैच बॉयकॉट करने पर भारतीय खिलाड़ियों ने जारी किया बयान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के सेमीफाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला आज यानी 31 जुलाई को होना था, जो कि रद्द हो गया है। इस दौरान भारतीय खिलाड़ी युवराज सिंह, हरभजन सिंह, शिखर धवन ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया। इस कारण से भारत-पाक मैच को रद्द करने का फैसला किया और पाकिस्तान को फाइनल में बिना मुकाबला खेले ही सीधे एंट्री मिल गई।

इंडिया चैंपियंस की टीम ने एक सदस्य ने कहा कि देश से ऊपर कुछ भी नहीं है और इसलिए उन्हें इस फैसले पर कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर फाइनल में भी पाकिस्तान से मुकाबला होता तो वे फिर भी नहीं खेलते।

भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव की शुरुआत पहलगाम आतंकी हमले से हुई। जहां बैसरन घाटी में 5 आतंकियों ने 26 पर्यटकों पर हमला किया था जिसमें ज्यादातर लोग हिन्दू थे, जबकि एक ईसाई पर्यटक और एक स्थानीय मुस्लिम शख्स भी मारा गया था।

उसके बाद भारतीय सेना की ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी अस्वस्थ राजनैतिक स्थिति है। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में फिलहाल दोनों टीमों के बीच 14 सितंबर को एशिया कप और महिलाओं के 6 अक्टूबर को आईसीसी वर्ल्ड कप में मुकाबले खेले जाने हैं लेकिन ये मैच भारत नहीं खेलेगा ऐसी कोई अभी तक घोषणा नहीं हुई है।

पांचवें टेस्ट के लिए इस खिलाड़ी ने किया बेन स्टोक्स को रिप्लेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंग्लैंड ने पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। बेन स्टोक्स चोट के कारण पांचवें टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ओली पोप को कप्तान बनाया है। साथ ही स्टोक्स की जगह एक युवा ऑलराउंडर को टीम में शामिल किया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां और निर्णायक मुकाबला द ओवल में खेला जाएगा। लंदन के कैनिंग्टन द ओवल में 31 जुलाई से दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। ये मुकाबला सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा। क्योंकि, पिछला मैच ड्रा होने से सीरीज 1-2 पर खड़ी है। अगर भारत ने वापसी करते हुए ये मैच जीता तो सीरीज बराबरी पर खत्म होगी।

वहीं, अगर इंग्लैंड ने जीत दर्ज या फिर मैच ड्रॉ होता तो सीरीज मेजबान जीत जाएगी। हालांकि, इस निर्णायक मुकाबले से पहले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स चोट के चलते प्लेइंग इलेवन से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह बैटिंग ऑलराउंडर जैकब बेथल ने ली है। जैकब बेथल वॉरविकशायर क्लब के लिए खेलते हैं। वह बैटिंग ऑलराउंडर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए अभी तक मात्र 3 टेस्ट मैच खेले हैं।

पांचवें टेस्ट से बाहर होकर बेन स्टोक्स हैं मायूस, बयां किया दिल का दर्द

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंग्लैंड टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स भारत के खिलाफ 5वें और आखिरी टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं, जिसका आगाज 31 जुलाई से द ओवल में होना है। इंग्लैंड ने पांचवें टेस्ट के प्लेइंग 11 का ऐलान किया है, जिसमें कुल 4 बड़े बदलाव हुए हैं।

स्टोक्स की गैरमौजूदगी में ओपी पोप को टीम की कमान सौंपी गई हैं। साथ-साथ लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कर्स भी अंतिम टेस्ट की प्लेइंग-11 से बाहर हैं। इस बीच बेन स्टोक्स ने आखिरी टेस्ट से बाहर होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपना दुखड़ा सुनाया।

वहीं भारत के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की टीम 2-1 से आगे चल रही है और लंदन के द ओवल टेस्ट मैच जीतकर उनकी निगाहें ट्रॉफी अपने नाम करने पर हैं। वहीं, गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया ओवल टेस्ट मैच जीतकर सीरीज बराबरी करना चाहती है।

बेन स्टोक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान निराशा जाहिर की और कहा कि, निराश हूं, मांसपेशियों में एक अच्छी-खासी चोट आई है, जिनके नाम भी मैं ठीक से नहीं ले सकता है। आज सुबह मैं यहां इस इरादे से आया था कि किसी तरह बल्लेबाजी करके टीम में योगदान दूं। लेकिन मेडिकल टीम से चर्चा के बाद ये तय हुआ कि जोखिम बहुत ज्यादा है। मैं भी नहीं चाहता कि मेरी जगह कोई और खिलाड़ी इस हालत में खेलता।

भरत अरुण बनेंगे फ्रेंचाइजी के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का दामन थाम लिया है। केकेआर से अलग होकर भरत अरुण अब एलएसजी के लिए गेंदबाजी कोच का जिम्मा संभालेंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

अरुण पिछले कुछ सालों से केकेआर से जुड़े थे। साल 2025 में टीम आठवें स्थान पर रही। इसके चलते शाहरुख खान के स्वामित्व वाली ये फ्रेंचाइजी अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर रही है, जिसमें अभिषेक नायर और ड्वेन ब्रावो मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

इसी तरह चंद्रकांत पंडित और अरुण दोनों की अनुभवी जोड़ी अलग हो गई है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, भरत अरुण लखनऊ सुपर जाएंट्स के नए गेंदबाजी कोच नियुक्त किए हैं। फ्रेंचाइजी के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई को बताया कि हां, अरुण एलएसजी में शामिल हो गए हैं और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

बता दें कि, पिछले सीजन में सातवें स्थान पर रहने के बाद स्स अपने सहयोगी स्टाफ में बदलाव कर रही है। पिछले सीजन में एलएसजी की गेंदबाजी ने बेहतरीन प्रदर्शन नहीं किया था। मयंक यादव महज दो ही मैच खेल पाए।

क्यूरेट ने भारतीय टीम को बीस्ट बनने पर कर दिया मजबूर, अश्विन ने इंग्लैंड को दे दी ये बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच द ओवल में खेला जाएगा। लेकिन इस मुकाबले से पहले टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर आर अश्विन नेचेतावनी दी है कि ओवल के पिच क्यूरेटर ने गौतम गंभीर के साथ जो कुछ किया, वो निर्णायक टेस्ट में इंग्लैंड को बहुत महंगा पड़ने जा रहा है। उन्होंने कहा कि, क्यूरेटर ने संभवतः भारतीय टीम में चिंगारी सुलगा दी है।

अश्विन ने कहा है कि विपक्षी ने भारतीय टीम के अंदर के बेस्ट को उभार दिया है। अपने यू-ट्यूब चैनल पर अश्विन ने कहा है कि, उसके बाद जब मैंने झड़प का वीडियो देखा तो मैं सोच रहा हूं बॉस, भाई ये क्या कर रहे हो? आप इस भारतीय टीम के खिलाफ कैसे खेलना भारतीय टीम पर कोई चुनौती आती है भले ही इसे कोई बढ़ा रहा हो, जब चीजें सही नहीं हो रही होती हैं या जब हमें दबाने की कोशिश होती है

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जलवा बिखेरने को तैयार वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आगामी सितंबर में इंडिया अंडर-19 टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। जहां दोनों टीमों के बीच 3 वनडे और 2 मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। दौरे के लिए बीसीसीआई की जूनियर समिति ने 17 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस दौरान 4 खिलाड़ियों को स्टैंडबाय पर रखा गया है। साथ ही आयुष म्हात्रे को इस दौरे के लिए टीम इंडिया का कप्तान नियुक्त किया गया है। इसके अलावा टीम में वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर इंडिया अंडर-19 टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। 14 साल वैभव सूर्यवंशी ने खूब वाहवाही लूटी थी। वैभव से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी ऐसे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। इसके अलावा इंग्लैंड दौरे पर कमाल का प्रदर्शन करने वाले विहान मलहोत्रा को उपकप्तानी सौंपी गई है। बतौर विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडु और हरवंश सिंह टीम में हैं।

आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडु, हरवंश सिंह, आर एस अंबरीश, कनिष्क चौहान, नमन पुष्पक, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार, अनमोलजीत सिंह, खिलान पटेल, उधव मोहन, अमन चौहान।

ओवल टेस्ट से पहले कप्तान शुभमन गिल का बयान, पिच क्यूरेटर से गौतम गंभीर की लड़ाई पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला गुरुवार, 31 जुलाई से होने वाला है। इस मैच से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ओवल मैदान के पिच क्यूरेटर ली फोर्टिस से बहस के कारण चर्चा में हैं।

इस मामले पर अब कप्तान शुभमन गिल की 5वें टेस्ट मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। इस बीच गिल ने गंभीर और क्यूरेटर के बहस को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

शुभमन गिल ने गंभीर और पिच क्यूरेटर की बहस पर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुझे समझ ही नहीं आया कि क्यूरेटर ने हेड कोच के साथ बहस क्यों की। शुभमन गिल ने कहा कि, मुझे नहीं पता कि कल क्या हुआ था और पिच क्यूरेटर ने ऐसा क्यों किया। हमने चार मैच खेले हैं और किसी ने हमें रोकने की कोशिश नहीं की। सभी ने बहुत क्रिकेट खेला है और कोच और कप्तान कई बार विकेट देखने गए हैं। मुझे नहीं पता कि इतना हंगामा किस बात का था।

गिल ने कहा कि, अगर कोई क्यूरेटर हमें विकेट को न देखने या तीन मीटर पीछे से देखने के लिए कहता है, तो ऐसा हमने पहले कभी नहीं देखा। हम लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं और जब तक आप रबर स्पाइक्स या नंगे पैर हैं, आपको विकेट को करीब से देखने की अनुमति है। ये कोच और कप्तान का काम है। इसलिए, मुझे नहीं पता कि क्यूरेटर ने हमें ऐसा करने की अनुमति क्यों नहीं दी।

अभिषेक शर्मा ने ट्रेविस हेड को पछाड़ा, भारत का युवा खिलाड़ी बना टी20 का बादशाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। जहां अभी तक चार मैच खेले जा चुके हैं, जिसके बाद इंग्लैंड की टीम 2-1 से सीरीज में आगे है। अब आखिरी टेस्ट लंदन के द ओवल में 31 जुलाई से खेला जाना है। लेकिन उससे पहले आईसीसी ने ताजा रैंकिंग जारी की है।

इस रैंकिंग में भारत-इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ियों को मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ होने के बाद तगड़ा फायदा हुआ है। वहीं दिलचस्प बात तो ये है कि टेस्ट रैंकिंग से ज्यादा टी20 रैंकिंग में खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिला।

अभिषेक शर्मा ने पहली बार आईसीसी मेंस टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 का स्थान अपने नाम किया है। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड को पछाड़ा है। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईसीसी टी20 रैंकिंग्स में इतिहास रच दिया है। वह विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव के बाद टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल करने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड से नंबर-1 का खिताब छीन लिया है। हेड पिछले एक साल से ज्यादा समय से नंबर-1 पर बरकरार थे। इसके अलावा जोश इंग्लिश को टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में 6 स्थानों का फायदा हुआ और वह 9वें पायदान पर पहुंच गए। टिम डेविड को 12 स्थानों की छलांग लगाई और वह 28वें स्थान पर पहुंचे, जबकि कैमरन ग्रीन ने 64 रन की लंबी छलांग लगाई है और वह 24वें पायदान पर पहुंचे हैं।

एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान के साथ मैच खेलने से किया इनकार, सेमीफाइनल में होनी थी भिड़ंत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के सेमीफाइनल में भारत चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ खेलने से एक बार फिर इनकार कर दिया है। ये मैच गुरुवार 31 जुलाई को होना था। भारतीय टीम का कहना है कि वे पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी तरह का मुकाबला नहीं खेलना चाहते। टीम ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ किसी भी द्विपक्षीय खेल संबंध के खिलाफ देश के रुख का हवाला दिया है।

भारत चैंपियंस ने मंगलवार को वेस्टइंडीज चैंपियंस को सिर्फ 13.2 ओवर में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर उन्होंने पहले ही आपत्ति जताई थी। इससे पहले भी ग्रुप स्टेज का

भारत-पाकिस्तान मैच रद्द कर दिया गया था। क्योंकि खिलाड़ियों और टूर्नामेंट के एक मुख्य स्पॉन्सर ने विरोध जताया था। वहीं गुरुवार को भारत ने एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर टूर्नामेंट का सेमीफाइनल में पाकिस्तान से खेलना था।

नाम की कंपनी, जो टूर्नामेंट की स्पॉन्सर थी, ने भी सेमीफाइनल मैच से खुद को अलग कर लिया। कंपनी के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी ने कहा कि भारत के लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए हम इस मैच से पीछे हट रहे हैं। उनके अनुसार, आतंकवाद और क्रिकेट एक साथ नहीं चल सकते।

पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा शराब तस्कर, 180 लीटर अवैध शराब और बिना नंबर की स्कॉर्पियो जब्त

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। पुलिस ने प्रदेशव्यापी नशा विरोधी अभियान के तहत बुधवार देर रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने फिल्मी अंदाज़ में पीछा करते हुए 180 लीटर अवैध देशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से बिना नंबर की स्कॉर्पियो, शराब की 20 पेटियां और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। कुल जब्ती का मूल्य 11.85 लाख रुपए आंका गया है।

थाना मऊगंज के निरीक्षक राजेश पटेल और उनकी टीम जुर्म-जरायम और वारंटियों की तलाश में वहुती पटेहरा क्षेत्र की ओर गई थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक बिना नंबर की सफेद स्कॉर्पियो में भारी मात्रा में अवैध शराब भरकर नईगढ़ी की ओर ले जाई जा रही है।

टीम ने तत्काल घेराबंदी कर अष्टभुजी मंदिर और ओवरब्रिज नईगढ़ी रोड पर चेकिंग पॉइंट लगाए। स्कॉर्पियो को रोकने की कोशिश की गई। लेकिन चालक वाहन को तेज़ी से भगाकर फरार हो गया।

लगभग 8 घंटे तक मऊगंज, शाहपुर और नईगढ़ी क्षेत्र में पीछा चला। आरोपी ने रास्ते में जानवरों और प्राइवेट वाहनों को टक्कर मारते हुए भागने की कोशिश की। अंततः ग्राम फूलबजरंग सिंह के पास ट्रक से टकरा जाने के डर से वाहन धीमा हुआ। पुलिस ने उसे घेरकर दबोच लिया।

वाहन की तलाशी लेने पर 20 पेटी प्लेन देशी शराब मिली। इनमें कुल 1000 शीशियां (180 मिली प्रति) पाई गईं। आरोपी की पहचान सिद्धार्थ उर्फ डॉक्टर के रूप में हुई। वह युवराज सिंह बघेल का पुत्र है और करह पहाड़ी, थाना शाहपुर का निवासी है। आरोपी कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका।

पुलिस ने शराब (कीमत 75,000 रुपये), बिना नंबर स्कॉर्पियो (कीमत 11 लाख रुपये), और एक वनप्लस मोबाइल (कीमत 10,000 रुपये) जब्त किए हैं। जब्ती की पूरी कार्रवाई वीडियोग्राफी के माध्यम से की गई। आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब्त सामग्री को थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है।

बेटी ने बताई मां के हत्या की कहानी, चरित्र शंका करता था पति, गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां थाना क्षेत्र के हिरौंदी कठौता गांव में बुधवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। 35 वर्षीय महिला पुष्पा सिंह गोंड़ की हत्या उसके पति भालचंद गोंड़ ने कुल्हाड़ी से कर दी। आरोप है कि पति को पत्नी के चरित्र पर शक था। हत्या के बाद आरोपी ने खुद पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी।

इस दर्दनाक घटना का खुलासा दंपति की 11 वर्षीय बेटी मानसी सिंह ने किया। कक्षा 6 की छात्रा ने बताया कि वारदात के समय वह घर में मौजूद थी। उसके पिता ने पहले मां से बहस की, फिर कुल्हाड़ी से तीन बार वार कर दिया। उसके पिता मां के चरित्र पर पहले भी शक जताते थे और कई बार विवाद हुआ था।

11 साल पहले हुई थी शादी, तीन बच्चे: पुष्पा और भालचंद की शादी फरवरी 2014 में हुई थी। दंपती के तीन बच्चे हैं- इनमें एक की उम्र 11 साल, दूसरे की 9 और तीसरी की 4 साल है। पूरा परिवार गांव में सामान्य जीवन जी रहा था, लेकिन पारिवारिक झगड़े लगातार होते रहते थे। पुष्पा का मायका सेमरिया चाभर थाना रामनगर जिला मैहर में है। घटना के बाद भालचंद ने खुद पुलिस को फोन किया। मझगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उसे मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और आरोपी पर धारा 302 के तहत हत्या का केस दर्ज किया गया है।

पुलिस जुटी जांच में: पुलिस अब बच्चियों के बयान, कॉल डिटेल और पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने चरित्र संदेह को हत्या की वजह बताया है।

बहनो को तोहफा, बारकोड स्कैन करते ही राखी लेने घर पहुंचेगा डाकिया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रक्षाबंधन के पावन पर्व में इस बार डाकघर ने बहनों को बड़ा तोहफा दिया है। अब भाईयों को राखी भेजने के लिए बहनों को डाकघर नहीं जाना होगा, सिर्फ स्कैनर से स्कैन करना होगा और पोस्टमैन घर आकर राखी का पार्सल पिकअप कर लेगा। अधीक्षक डाकघर आर.के. तिवारी ने बताया कि राखी के खास मौके पर प्रधान डाकघर में यह सुविधा आरंभ की गई है। अब बहनों को डाकघर जाने की जरूरत नहीं होगी। बारकोड को स्कैन करने से बहने सीधी पोस्टमास्टर से वाट्सअप पर जुड जाएंगी। पोस्टमैन खुद बहनों के घर पहुंच कर पार्सल पिकअप करेंगे। पार्सल बुक कराकर रसीद भी प्रदान करेंगे। घर बैठे राखी सुरक्षित भाईयों के पास पहुंचाने की जिम्मेदारी डाकघर ने उठाई है।

बीएमओ ने गांव में एम्बुलेंस भेजने से मना किया, कहा- सड़क नहीं है

पुलिस कीचड़ में चलकर पहुंची गांव, चारपाई पर शव ले गए ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उसरहाई टोला गांव में 15 साल के लड़के की कुएं में डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। गांव में सड़क नहीं होने के कारण पुलिस 800 मीटर तक कीचड़ भरे रास्ते से पैदल चलकर घटनास्थल पर पहुंची। एम्बुलेंस ने तो आने से ही मना कर दिया।

घटना ग्राम पंचायत पुरवा स्थित उसरहाई टोला गांव की है। 15 साल का आशिकी कोल बुधवार दोपहर से लापता था। परिजन खेत से घर लौटे तो वह नहीं मिला। तलाश करने पर आशिकी का मोबाइल कुएं के पास पड़ा मिला। ग्रामीणों ने कुएं में काटा डालकर घुमाया, जिसमें आशिकी का पैर फंस गया और शव पानी के ऊपर आ गया। ग्रामीणों ने पुलिस और एम्बुलेंस को कॉल किया। पुलिस कीचड़ में जैसे-तैसे पहुंची और पंचनामा बनाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाना जरूरी था। एम्बुलेंस के आने से मना करने पर ग्रामीणों ने शव को चारपाई पर रखा और कंधे पर रखकर निकल पड़े।

बीएमओ बोले- सड़क नहीं है, हम नहीं आ सकते: ये घटना नगरीय प्रशासन राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी की विधानसभा रैगांव के अंतर्गत आने वाले गांव की है। ग्रामीणों ने बताया कि स्थानीय प्रशासन को सूचना दी गई, लेकिन उन्होंने कहा कि वहां सड़क नहीं है, हम नहीं आ सकते, एम्बुलेंस नहीं पहुंच सकती। गांव न सड़क से जुड़ा है, न बिजली पहुंची है। एक ही कुएं से गांव का पूरा जीवन चलता है - पीने का पानी, नहाने का पानी, सब कुछ। बरसात में यह गांव टापू बन जाता है। कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी बीएमओ डॉक्टर अशोक द्विवेदी ने इस मामले में बताया कि थाने से एम्बुलेंस के लिए फोन आया था। मैंने पुलिस को 108 वाहन बुलाने के लिए कहा था। जिला अस्पताल छोड़ कहीं भी शव वाहन की सुविधा नहीं है।

गर्भवती महिला की गई थी जान: ग्रामीणों ने बताया कि पिछले साल बारिश के दिनों में एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा हुई थी। सड़क न होने के कारण उसे समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद भी व्यवस्था नहीं सुधरी। इस मामले में कोठी थाना पुलिस जांच कर रही है।

शिक्षा विभाग एवं जिला शिक्षा केन्द्र की समीक्षा बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले के सभी हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में विज्ञान विषय की प्रयोग शालाओं का संचालन सुव्यवस्थित रूप से करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान के छात्र-छात्राओं को प्रयोगिक ज्ञान और अनुभव अत्यंत आवश्यक होता है। विद्यालयों में निरीक्षण के दौरान लैब का संचालन नहीं पाये जाने पर प्राचार्य के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग एवं जिला शिक्षा केन्द्र के अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी सहित सभी बीआरसी, बीईओ, बीएसी तथा जिला शिक्षा केन्द्र के उपयंत्री उपस्थित थे।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि बीईओ और बीआरसी स्कूलों के साथ-साथ छात्रावासों का भी निरीक्षण करें। स्कूल निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं के पास पाठ्य-पुस्तकों की उपलब्धता तथा अभ्यास पुस्तिका में किये गये कार्य अवश्य देखें। उन्होंने कहा कि हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल के परीक्षा परिणामों में जिले के उच्च और निम्न प्रतिशत परिणाम वाले 5-5 स्कूलों को चिन्हाकित कर परीक्षा परिणामों का विश्लेषण करें। अच्छे परिणाम लाने वाले स्कूलों में और बेहतर परिणाम के लिए तथा न्यूनतम उत्तीर्ण प्रतिशत वाले विद्यालयों में रिजल्ट सुधार के प्रयास किये जाये। कलेक्टर ने जिले के 30 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों में न्यूनतम परिणामों के कारणों की जानकारी ली।

प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह 17 अगस्त को आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय संस्था भारतीय सिंधु सभा एवं सिन्धी मेला समिति [भोपाल] के संयुक्त तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन दिनाक 17 अगस्त रविवार को रविंद्र भवन भोपाल में आयोजित किया गया है

संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया इस प्रतिभा सम्मान समारोह में वर्ष 2024-25 की विभिन्न परीक्षाओं में उल्लेखित अंक पाने वाले सिन्धी समाज के छात्र छात्राओं तथा प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा,साहित्य, कला,खेल इत्यादि विविध क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन करने वाली सामाजिक प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जायेगा।

गेलानी ने आगे बताया क्लास10 वीं (9.5 सीजीपीए) 90 प्रतिशत 12 वीं (9 सीजीपीए) 85 प्रतिशत डिग्री परीक्षाएँ (7.5 सीजीपीए) 75 प्रतिशत एमबीबीएस/सीए/सीएस अथवा समकक्ष डिग्री मार्कशीट जमा करने की आखिरी तारीख 3 अगस्त निर्धारित की गई है जिन छात्र छात्राओं को डिग्री जमा करनी हो संस्था के संभाग प्रभारी विक्रम चौधरी अध्यक्ष अशोक चांदवानी विजय जग्यासी मनोहर आर्तानी, विकास सुखेजा राखी होतचंदानी सिमरन होतचंदानी एवं संस्था के किसी पदाधिकारी के पास जमा कर सकते हैं।

अमहिया रोड चौड़ीकरण का काम शुरू, हटाए जाएंगे 200 से ज्यादा दुकानें-मकान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर की सबसे व्यस्त सड़क अमहिया रोड पर अतिक्रमण हटाने की सबसे बड़ी कार्रवाई की तैयारी प्रशासन और नगर निगम ने शुरू कर दी है। सिरमौर चौराहा से अस्पताल चौराहा तक करीब 100 से 200 पक्के मकान और दुकानों को चिह्नित किया गया है। अतिक्रमणकारियों को नोटिस थमा दिए गए हैं और जवाब मांगा गया है। जल्द ही तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू होगी।

अमहिया मार्ग रीवा के मास्टर प्लान में पहले से शामिल है। लेकिन इस सड़क पर कई लोगों ने कब्जा कर कई मंजिला दुकानें और मकान बना लिए थे, जिससे सड़क बेहद सकरी रह गई है। अब प्रशासन ने मास्टर प्लान को लागू करना शुरू कर दिया है। नगर निगम और प्रशासन की टीम ने मिलकर सर्वे किया और अतिक्रमण चिन्हित किए। अब नोटिस जारी कर जवाब मांगे गए हैं।

एम्बुलेंस तक जाम में फंसती है: नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ संजय सोनवडे ने बताया कि यह रीवा की सबसे व्यस्त सड़क है। यहां मेडिकल कॉलेज, संजय गांधी अस्पताल और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल हैं। एम्बुलेंस का आना-जाना लगातार होता है, लेकिन जाम के कारण कई बार मरीज और डॉक्टर समय पर नहीं पहुंच पाते। सड़क चौड़ी होने से ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी और अस्पताल पहुंचने में कोई बाधा नहीं होगी।

बीईओ सोहावल के लेखापाल को सेवा निवृत्ति पर विदाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सोहावल के लेखापाल राकेश सिंह शासकीय सेवा में 37 साल कार्यरत रहने के बाद गुरूवार को सेवा निवृत्त हुए। लेखापाल की सेवा निवृत्ति पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिवार ने उनकी कार्यशैली और कर्तव्य बोध का स्मरण करते हुए भावभीनी विदाई दी। लेखापाल सिंह 22 दिसंबर 1988 में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सतना में पदस्थ हुए थे और 37 साल की सेवा करने के पश्चात विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सोहावल के लेखापाल के पद से सेवा निवृत्त हुए। बीईओ कार्यालय सोहावल में आयोजित सेवा निवृत्त सम्मान कार्यक्रम में बीईओ आयुषि अग्रवाल, प्राचार्य टीके मिंज, बीएल वर्मा, आशुतोष नामदेव, आशीष सिंह, नरेन्द्र सिंह, पूनम खरे, अभिलाषा पाण्डेय, सविता सिंह, प्राप्ति सिंह और आदित्य सिंह सहित बीईओ ऑफिस सोहावल और उचेहरा का स्टाफ उपस्थित रहे।

संजीवनी क्लीनिक में किया गया वृक्षारोपण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण किया गया। कमिश्नर बीएस जामोद के निर्देशन में संजीवनी क्लीनिक में आम, जामुन, मुनगा आदि फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर डॉ. के.बी. गौतम, डॉ. प्रियांश सिंह, सौरभ पाण्डेय एवं संस्था के कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेकी की दीवार के माध्यम से सामग्री पुन: इस्तेमाल करें : इंजी.धर्मेंद्र सिंह

कृष्णनगर में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पालिक निगम सतना के तत्वावधान में इंजी.धर्मेंद्र सिंह परिहार ने, सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ एवं नशे से दूरी है जरूरी की थीम के साथ जागरूकता अभियान कार्यक्रम कृष्णनगर के अकैडमी हाइट पब्लिक स्कूल में संपन्न किया। कार्यक्रम में सुजाता साबू (प्रिंसिपल), रेनू वर्मा (वाइस प्रिंसिपल), निकिता आहूजा (ब्रांच हेड), पल्लवी पांडे(वीडियो ग्राफी), रूपाली पांडे, अमन त्रिपाठी, महक परवीन, अर्चना लद्धा, स्वाती कापड़ी, जयश्री सेनानी, पल्लवी पांडे, सीमा सुखदानी, स्नेहा गेलानी,वर्षा शुक्ला, प्रीति द्विवेदी, श्वेता भट्ट, नैंसी जैन, गीतांजलि मिश्रा, श्राबनी बनर्जी,रेनू वर्मा स्कूल परिवार के सभी सदस्यों कुछ अभिभावकों तथा सैकड़ो छात्र-छात्राओं ने काफी उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम में सभी ने स्वच्छता शपथ ली तथा उपस्थित मतदाताओं ने मतदाता शपथ ली!इसके साथ सभी ने नशा मुक्त समाज भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं अपराध मुक्त समाज के प्रयास का भी संकल्प लिया। इंजी.धर्मेंद्र सिंह ने स्वच्छता संबंधी चर्चाओं में विशेष रूप से नेकी की दीवार के माध्यम से सामग्री के पुन: इस्तेमाल का, सतना को स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रथम स्थान दिलाने के प्रयास का अनुरोध किया तथा उन्होंने रेखांकित किया कि ,सभी प्रयास करें कि,कोई न तो रोड में कचरा फेंके,ना ही नालियों में कचरा फेंके,ना खाली प्लॉट में कचरा फेंके बल्कि पूर्ववत ही सभी कचरा हरे और नीले डस्टबीन के माध्यम से गीला,सूखा,घरेलू हानिकारक एवं सेनेटरी नैपकिन डायपर अलग-अलग करके चार हिस्से में बांटकर ही कचरा मांगने वाली गाड़ी को ही दें। कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रिंसिपल सुजाता साबू ने धर्मेंद्र सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सभी छात्र-छात्राओं ने जोरदार तालियों के साथ धर्मेंद्र सिंह का धन्यवाद किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।